दैनिक
किस्मत भीलवाड़ा

आवश्यकता है
राजस्थान के भीलवाड़ा से प्रकाशित सबसे तेज समाचार पत्र दैनिक किस्मत भीलवाड़ा को तहसील और जिला स्तर पर महिला/पुरुष संवाददाताओं की आवश्यकता है।
संपर्क करें
दैनिक किस्मत भीलवाड़ा
मो. 9214345421, 8233210027, 9828402526, 6376577605

Email. kismatbhilwara8888@gmail.com | वर्ष 3 अंक-54 | भीलवाड़ा मंगलवार 05 अगस्त 2025 | मूल्य- 2 रूपये | REGN.NO .RAJHIN/2023/87379

खबर संक्षेप

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रपति से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। शिष्टाचार भेंट के दौरान दोनों के बीच चर्चा हुई। इस बारे में अधिक जानकारी साझा नहीं की गई है। राष्ट्रपति के एक्स से रविवार को पीएम मोदी और राष्ट्रपति के बीच हुई मुलाकात की तस्वीर भी शेयर की गई, जिसमें वे चर्चा करते दिख रहे हैं।

नहीं रहे कन्नूर के 'दो रुपए वाले डॉक्टर'

कन्नूर । केरल के कन्नूर में डॉक्टर एके रायरू गोपाल का उम्र संबंधी बीमारियों के कारण रविवार को निधन हो गया। वे 5 दशक से अपने क्लीनिक में मात्र दो रुपए में हजारों गरीब मरीजों का इलाज करते रहे। वे 80 वर्ष के थे और उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है। कोई उन्हें दो रुपए वाले डॉक्टर साहब कहता तो कोई कुछ और।

डिवाइडर तोड़ फेंसिंग से टकराई बस, 10 जख्मी

उन्नाव। आगरा एक्सप्रेसवे पर औरास क्षेत्र में कोइलियाखेड़ा गांव के पास दिल्ली से सिद्धार्थनगर जा रही स्लीपर बस के चालक को तड़के 4बजे झपकी लग गई। बस डिवाइडर पर चढ़ गई और दूसरी लेन में जाकर रुक गई।बस दूसरी दिशा में एल्युमिनियम गार्ड को तोड़ते हुए खंती में नहीं गिरी। 2 चालक समेत 10 यात्री घायल हो गए।

आप सुअर से कुश्ती नहीं लड़ सकते? मोइत्रा

कोलकाता। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और कल्याण बेनर्जी की लड़ाई किसी से छिपी नहीं है। महुआ पर कल्याण ने बीजेडी नेता पिनाकी मिश्रा से शादी पर आलोचना की थी। महुआ ने कहा आप सुअर से कुश्ती नहीं लड़ते क्योंकि सुअर को यह पसंद है और आप गंदे हो जाते हैं।

पुलिस पर खूंखार डॉग छोड़ने वाला सट्टेबाज धराया

जगदलपुर। छग के जगदलपुर के जवाहर नगर वार्ड में सट्टा खिलाने वाले आरोपी को पकड़ना पुलिस के लिए लंबे समय से बड़ी चुनौती बन गया था। आरोपी ने घर में 4आक्रामक डॉग पाल रखे थे, जो पुलिस के पहुंचने पर हमला कर देते थे। डॉग वेलफेयर टीम की मदद से पुलिस ने घर में प्रवेश किया और आरोपी को दबोच लिया।

जिम में वर्कआउट के दौरान अचानक मौत

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पिंपरी चिंचवड कस्बे में एक 37 साल के शख्स की जिम में वर्कआउट के दौरान अचानक मौत हो गई। वह पानी पीने के लिए बैठ रहा था, तभी बेसुध होकर गिर गया। उसे हॉस्पिटल ले जाया गया, तब तक उसकी मौत हो गई। इसका सीसीटीवी फुटेज अब तेजी से वायरल हो रहा है।

धर्म के नाम पर वोट मांगने वालों को जनता दे जवाब: पूर्व मंत्री जाट

"डबल इंजन की सरकार, लेकिन युवा बेरोजगार"

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा (सूर्य नारायण लाड़)। सावन के अंतिम सोमवार को पूर्व राजस्व मंत्री रामलाल जाट के नेतृत्व में मांडल से हरणी महादेव मंदिर तक विशाल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। इस धार्मिक यात्रा में हरिद्वार और ऋषिकेश से लाया गया पवित्र गंगाजल लेकर हजारों शिवभक्तों ने हिस्सा लिया और भोलेनाथ का अभिषेक किया। रामलाल जाट ने इस अवसर पर कहा कि यह यात्रा धार्मिक एकता, भाईचारे और

सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यह आयोजन राजनीति से ऊपर उठकर सच्ची आस्था और संस्कारों की अभिव्यक्ति है, जिसमें हर वर्ग का शिवभक्त जुड़ता है।

पोस्टर हटाने के मामले पर बीजेपी पर तीखा हमला

रामलाल जाट ने पोस्टर विवाद को लेकर भाजपा नेताओं को आड़े हाथों लिया। उन्होंने नाम लिए बिना आरोप लगाया कि धर्म के नाम पर राजनीति करने वाले अब पोस्टर हटाने जैसे ओछे हथकंडे अपना रहे हैं। जाट ने कहा, "राजनीति में मुझे तीन दशक हो गए हैं, लेकिन पहली बार ऐसा देखा कि किसी धार्मिक यात्रा से पहले पोस्टर हटवाए गए।" उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा में भाजपा का नेतृत्व बेहद कमजोर और अपरिपक्व हो चुका है। भाजपा नेताओं पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अगर उन्हें धर्म की इतनी चिंता है, तो सड़कों पर बेसहारा घूम रही गायों की चिंता करें और बेरोजगार युवाओं के लिए काम करें।

"डबल इंजन की सरकार, लेकिन युवा बेरोजगार"

पूर्व मंत्री ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार को 11 साल हो गए हैं, लेकिन अभी तक बेरोजगारी और गोरक्षा जैसे जमीनी मुद्दों का समाधान नहीं हो पाया है। उन्होंने सांसद सी.पी. जोशी का उदाहरण देते हुए कहा कि जब उन्होंने कांग्रेस से चुनाव लड़ा था, तब हर साल 10,000 युवाओं को रोजगार देने की बात की थी और उन्होंने उस दिशा में काम भी किया।

जनता से किया जागरूक रहने का आग्रह

रामलाल जाट ने जनता विशेषकर युवाओं से अपील की कि सनातन धर्म सभी को साथ लेकर चलने की सीख देता है। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर नफरत फैलाने वालों से सावधान रहें और ऐसे नेताओं को लोकतांत्रिक तरीके से जवाब दें। उन्होंने कुछ ढोंगी बाबाओं पर भी निशाना साधा और कहा कि संतों के वेश में कुछ लोग समाज को भ्रमित कर रहे हैं।

सेना पर टिप्पणी

राहुल को सुप्रीम फटकार

शीर्ष कोर्ट ने पूछा, सोशल मीडिया की जगह संसद में क्यों नहीं बोलते

नई दिल्ली (एसएनबी)। उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान भारतीय सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर सोमवार को उनकी आलोचना करते हुए कहा, अगर आप सच्चे भारतीय है, तो ऐसी बात नहीं कहेंगे। हालांकि, शीर्ष अदालत ने इस मामले में लखनऊ की एक अदालत में गांधी के खिलाफ जारी कार्यवाही पर रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने मामले में उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा, आप विपक्ष के नेता है। आप संसद में बातें क्यों नहीं कहते है, आप सोशल मीडिया पर क्यों कहते है? पीठ ने पूछा, आपको कैसे पता चला कि 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन चीनियों ने कब्जा कर ली है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय जानकारी है? पीठ ने पूछा, बिना किसी सबूत के आप ये बयान क्यों दे रहे है? अगर आप सच्चे भारतीय है, तो आप ऐसी बात नहीं कहेंगे। गांधी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा, अगर विपक्ष के नेता

■ इस मामले में लखनऊ की अदालत में गांधी के खिलाफ जारी कार्यवाही पर लगा दी रोक

मुद्दे नहीं उठा सकते, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी। उन्होंने दलील देते हुए कहा, अगर वह प्रेस में छपी ये बातें नहीं कह सकते, तो वह विपक्ष के नेता नहीं हो सकते। पीठ की 'सच्चे भारतीय' टिप्पणी पर सिंघवी ने कहा, यह भी संभव है कि एक सच्चा भारतीय कहे कि हमारे 20 भारतीय सैनिकों को पीटा गया और मार डाला गया। यह भी चिंता का विषय है। इस पर शीर्ष अदालत ने कहा, जब सीमा पार संघर्ष होता है, तो क्या दोनों पक्षों में हताहत होना असामान्य बात है? सिंघवी ने कहा, गांधी केवल उचित खुलासे और सूचना के दमन पर चिंता जताने की बात कर रहे थे। न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा, विपक्ष के एक जिम्मेदार नेता होने के नाते गांधी को ऐसा नहीं कहना चाहिए था क्योंकि ऐसे सवाल उठाने के लिए एक उचित मंच मौजूद है।

सिंघवी ने इस बात से सहमति

■ राहुल से यह भी पूछा, आपको कैसे पता चला कि चीनियों ने हमारी जमीन कब्जा ली है, क्या आप वहां गए थे?

जताई कि गांधी इस मामले में बेहतर तरीके से टिप्पणी कर सकते थे। उन्होंने कहा, यह शिकायत याचिकाकर्ता को परेशान करने के प्रयास के अलावा और कुछ नहीं है। सिंघवी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 223 का हवाला दिया और कहा कि अदालत द्वारा आपराधिक शिकायत का संज्ञान लेने से पहले अभियुक्त की पूर्व सुनवाई अनिवार्य है, जो वर्तमान मामले में नहीं की गई।

इसके बाद शीर्ष अदालत ने याचिका पर नोटिस जारी करते हुए तीन सप्ताह में जवाब मांगा और लखनऊ अधीनस्थ अदालत में कार्यवाही पर रोक लगा दी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 29 मई को गांधी की याचिका खारिज कर दी थी। गांधी ने समन आदेश और शिकायत को यह कहते हुए चुनौती दी थी कि यह दुर्भावना से प्रेरित था। यहां की एक अदालत में दायर अपनी याचिका में शिकायतकर्ता उदय शंकर श्रीवास्तव ने आरोप लगाया कि दिसम्बर 2022 की 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान गांधी ने चीन के साथ सीमा गतिरोध के संदर्भ में भारतीय सेना के बारे में कई अपमानजनक टिप्पणियां कीं। इसके बाद अधीनस्थ अदालत ने गांधी को मुकदमे का सामना करने के लिए अभियुक्त के रूप में तलब किया।

राहुल गांधी और कांग्रेस भारतीय सशस्त्र बलों से नफरत करते हैं : भाजपा

नई दिल्ली (एसएनबी)। भाजपा ने सोमवार को आरोप लगाया कि ''चीन गुरू राहुल गांधी'' और उनकी पार्टी भारतीय सशस्त्र बलों से नफरत करते है तथा विदेशी ताकतें उन्हें 'रिमोट कंट्रोल' से संचालित कर रही है। भाजपा का यह बयान सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर उच्चतम न्यायालय द्वारा राहुल पर नाराजगी जताए जाने के बाद आया है। शीर्ष अदालत ने दिसंबर 2022 में 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान सेना के बारे में की गई टिप्पणी को लेकर लखनऊ की एक अदालत में राहुल के खिलाफ जारी कार्यवाही पर सोमवार को रोक लगा दी। हालांकि, न्यायालय ने लोकसभा में विपक्ष के नेता पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अगर वह सच्चे भारतीय है, तो ऐसी बात नहीं कहेंगे। भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''उच्चतम न्यायालय ने एक बार फिर 'चीन गुरू' राहुल गांधी को भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता के संबंध में गैर-जिम्मेदाराना बयान देने के लिए फटकार लगाई है।''

पीडब्ल्यूडी भर्ती मामले में सत्येंद्र जैन को राहत

नई दिल्ली (एसएनबी)। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने 2018 में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में भर्ती में कथित भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र जैन और अन्य आरोपियों को बड़ी राहत देते हुए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की ओर से दाखिल 'क्लोजर' रिपोर्ट सोमवार को स्वीकार कर ली। अदालत ने कहा कि 'जांच में किसी आपराधिक गतिविधि या सरकार को गलत तरीके से नुकसान पहुंचाए जाने की बात सामने नहीं आई।'

■ अदालत ने सीबीआई की 'क्लोजर' रिपोर्ट स्वीकार की

विशेष न्यायाधीश दिग्विनय सिंह ने कहा कि जांच एजेंसी को इतने लंबे समय में कोई भी मजबूत साक्ष्य नहीं मिला है और आगे की कार्यवाही से कोई सार्थक उद्देश्य पूरा नहीं होगा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पीडब्ल्यूडी कार्यों के लिए एक रचनात्मक टीम की नियुक्ति के वास्ते एक निजी कंपनी को निविदा देने की प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए दिल्ली के उपराज्यपाल कार्यालय की सिफारिश के आधार पर 28 मई 2018 को मामला दर्ज किया था।

सीबीआई के एक प्रवक्ता ने 29 मई 2018 को कहा था, 'इस मामले की गहराई में जाने के लिए पहले एक प्रारंभिक जांच की गई थी। आरोप लगाया गया था कि आरोपियों ने लोक सेवक के रूप में काम करते हुए जानबूझकर नियम और शर्तों को बदल दिया, ताकि निजी कंपनी को निविदा में हिस्सा लेने के पात्र बनाया जा सके।' चार साल बाद केंद्रीय जांच एजेंसी ने मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की, जिसमें रेखांकित किया गया कि 'आर्थिक लाभ, साजिश या भ्रष्टाचार का कोई सबूत नहीं है।' रिपोर्ट में कहा गया, 'पूरी जांच में किसी आपराधिक गतिविधि या सरकार को गलत तरीके से नुकसान पहुंचाए जाने या सोनी डिटेक्टिव्स को आर्थिक लाभ दिलाए जाने का मामला सामने नहीं आया। किसी तरह के लेन-देन या साजिश का कोई सबूत नहीं मिला। लोक सेवकों के कृत्यों को भी धोखाधड़ी वाले आचरण में नहीं पाया गया।'

खदान में काम कर रहे थे श्रमिक, चट्टान गिरने से 6 प्रवासी मजदूरों की मौत

-10 घायल, ओडिशा सीएम ने मृतकों के परिजन को सहायता राशि देने की घोषणा

बापटला (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में बल्लीकुरवा के पास सत्यकृष्ण ग्रेनाइट खदान में चट्टानों का एक बड़ा हिस्सा ढह जाने से कम से कम छह मजदूरों की मौत हो गई और 10 घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब एक चट्टान का हिस्सा ढह गया।

पुलिस के मुताबिक हादसा रविवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे उस समय हुआ जब 10 से 15 मजदूर खदान में काम कर रहे थे। ओडिशा के सीएमए मोहन चरण माझी ने हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि सभी पीड़ित ओडिशा के रहने वाले हैं। संदेह है कि पानी रिसाव के कारण चट्टान खिसकी और हादसा हुआ है। घटनास्थल पर कोई विस्फोट या भूकंपीय गतिविधि नहीं थी। फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी है। हादसे के बाद तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिया गया जिसमें खनन विभाग के अधिकारी भी पुलिस के साथ थे।

ओडिशा सीएमओ ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि सीएम मोहन चरण माझी ने आंध्र प्रदेश में हुए हादसे में गंजाम जिले के दंड बड़त्या, बनमाल चेहरा, भास्कर बिसोई, संतोष गौड़ और गजपति जिले के ताकुमा दलाई, मूसा जान की मौत पर शोक व्यक्त किया है। सीएमओ ने बताया कि मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि शवों को ओडिशा लाने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। इस बीच आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर शोक जताया। नायडू ने कहा कि मैंने अधिकारियों से बात की है और उन्हें घायलों को सर्वोत्तम उपचार देने और हादसे के कारणों की जांच के निर्देश दिए हैं। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी प्रमुख वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने भी हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह अत्यंत हृदयविदारक घटना है। ये मजदूर अपने परिवारों के लिए मेहनत करते हुए जान गंवा बैठे।÷ रेड्डी ने सरकार से घायलों को समुचित चिकित्सा सुविधा देने और मृतकों के परिजनों को त्वरित सहायता प्रदान करने की अपील की।

ओडिशा सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि हादसे में कम से कम आठ ओडिया मजदूर घायल हुए हैं और उन्हें आंध्र प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि जब हादसा हुआ उस वक्त खदान में कम से कम 16 मजदूर काम कर रहे थे। ओडिशा के उपमुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव ने भी हादसे में मजदूरों की मौत पर शोक जताया है।

भारत से इजराइल खरीद रहा गाइडेड एडवांस्ड टैक्टिकल रॉकेट

-रेंज 10 किमी और 100 किमी/घंटा की रफ्तायर से लक्ष्यों को भेदने में सक्षम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय डिफेंस सेक्टर की बड़ी कंपनी एनआईबीई लि ने हाल ही में इजराइल की रक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी एल्बिट सिस्टम से 70 मिमी क्लास की हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल गाइडेड एडवांस्ड टैक्टिकल रॉकेट का सौदा किया है। शनिवार को इस सौदे की घोषणा की गई। 6.12 करोड़ रुपए की लागत से इसे सितंबर 2026 तक पूरा किया जाएगा। यह सौदा भारत की 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल का हिस?सा है, जिसके तहत स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाया जा रहा है। अब मन में सवाल उठता है कि गाटर मिलाइल क्या है, जो इजराइल भारत से खरीदा रहा है?

गाटर एक कॉस्ट-इफेक्टिव हाई प्रीसीजन (सटीकता) वाला रॉकेट है, जिसे मध्यम दूरी के टैक्टिकल हवाई अभियानों के लिए डिज़ाइन किया है। इसकी रेंज 10 किमी तक है और यह 100 किमी/घंटा तक की गति से चल रहे लक्ष्यों को भेद सकता है। गाटर में अत्याधुनिक सेमी-एक्टिव लेजर गाइडेंस सिस्टम है, जो इसे बेजोड़ सटीकता प्रदान करता है। यह 16 किलोग्राम का वारहेड ले जा सकता है, जो 200 मिमी तक प्रबलित कंक्रीट को भेदने में सक्षम है। यह रॉकेट एएच-64 अपाचे और एचएएल रुद्र जैसे कई हमलावर हेलीकॉप्टरों के साथ इंटीग्रेट यानी लोड हो सकता है। इजराइल को भारत से गाटर रॉकेट चाहिए, क्योंकि यह लागत प्रभावी और सटीक है। इसकी 10 किमी रेंज और लेजर गाइडेंस इसे शहरी युद्ध के लिए आदर्श बनाता है। एनआईबीई पुणे में स्थित रक्षा टेक्नोलॉजी क्षेत्र में इनोवेशन, स्वदेशीकरण और वैश्विक सहयोग पर केंद्रित है। यह कंपनी उन्नत रक्षा प्रणालियों के डिज़ाइन, निर्माण और इंटीग्रेशन में माहिर है। एल्बिट सिस्टम के साथ यह साझेदारी भारत में उच्च तकनीक वाले रक्षा उपकरणों के निर्माण की दिशा में एक कदम है। एनआईबीई इस ऑर्डर के तहत गाटर के पुर्जों का निर्माण और आपूर्ति करेगा, जिससे भारतीय सशस्त्र बलों और वैश्विक सहयोगियों के लिए मिशन की सफलता और परिचालन सुरक्षा में वृद्धि होगी। यह सौदा भारत की रक्षा निर्यात क्षमता को दर्शाता है। एनआईबीई की यह उपलब्धि भारत को वैश्विक रक्षा बाजार में एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करती है। यह साझेदारी तकनीकी उन्नति और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगी, खासकर पुणे के विनिर्माण क्षेत्र में। यह भारत-इजराइल रक्षा सहयोग को भी मजबूत करता है, जो हाल के ऑपरेशन सिंदूर के बाद और प्रासंगिक है।

भारी बारिश का कहर-यूपी के 17 जिलों में बाढ़, बिहार में बिजली गिरने से 6 की मौत, अब तक 275 की गई जान

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में जारी भारी बारिश ने सामान्य जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में हालात गंभीर बने हुए हैं, जबकि देशभर में मानसून इस बार सामान्य से 4प्रतिशत अधिक सक्रिय रहा है।

उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। लखनऊ, अयोध्या और अंबेडकरनगर में स्कूलों को बंद कर दिया गया है। बीते 24 घंटे में प्रदेश में बारिश संबंधी घटनाओं में 12 लोगों की जान चली गई है।

वाराणसी और प्रयागराज में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। वाराणसी के 84 घाट जलमग्न हो गए हैं और एक लाख से अधिक घरों में पानी भर गया। प्रयागराज की सड़कों पर नावों का संचालन शुरू कर दिया गया है, और हजारों लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण ले चुके हैं। बताया जा रहा है कि 1978 के हालात न बनने पाएं इसलिए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

मध्य प्रदेश में भी बारिश का कहर जारी है। बताया जा रहा है कि 16 जून को मानसून की शुरुआत के बाद से अब तक 275 लोगों की मौत बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में हो चुकी है। कई नदियां और नाले उफान पर हैं।

बिहार में भी हालात चिंताजनक बने हुए हैं। बीते 24 घंटे में बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई है। पटना समेत सभी 38 जिलों में सोमवार को बारिश और वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाओं और बिजली गिरने की आशंका जताई है।

जानकारी अनुसार वर्ष 2025 में अब तक देशभर में सामान्य से 4.1 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है। जून में 9प्रतिशत अधिक और जुलाई में 5प्रतिशत अधिक वर्षा हुई। यह स्थिति 2013 के बाद पहली बार देखने को मिली है, जब मानसून के शुरुआती दो महीनों में लगातार सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। भारी बारिश को देखते हुए प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमें राहत कार्यों में जुटी हुई हैं। प्रभावित इलाकों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस बल की मदद से राहत व बचाव अभियान जारी है।

वन एवं पर्यावरण मंत्री का भीलवाड़ा में भव्य स्वागत, जन्मदिन पर पौधारोपण का किया आह्वान

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा, राजस्थान के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा का आज भीलवाड़ा आगमन पर स्थानीय सर्किट हाउस में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, विधायक गोपीचंद मीणा, उदयलाल भडाना, महापौर राकेश पाठक एवं अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। मंत्री संजय शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। अब तक प्रदेशभर में 7 करोड़ 51 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं। उन्होंने प्रदेश की 7 करोड़ जनता से अपने जन्मदिन पर एक पौधा लगाने और उसके संरक्षण का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने जिले में अभियान की प्रगति की जानकारी दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

माली अर्जुन गहलोत का गोकुल मित्र मंडल शिवगंज ने किया भव्य स्वागत

किस्मत भीलवाड़ा

शिवगंज, भाजपा युवा नेता माली अर्जुन गहलोत को माली समाज नवयुवक मंडल शिवगंज का संगठन मंत्री बनाए जाने पर रविवार शाम केरलेश्वर महादेव मंदिर में गोकुल मित्र मंडल शिवगंज द्वारा भव्य स्वागत किया गया। पुष्प माला व मिठाई से अभिनंदन करते हुए सभी ने गहलोत की समाजसेवा व पशु-पक्षियों के प्रति समर्पण की सराहना की। कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री गणपत सिंह राठौड़, भाजयुमो जिलाध्यक्ष गोपाल माली, नगर अध्यक्ष ताराराम कुमावत सहित कई नेता व मंडल सदस्य मौजूद रहे।

नवोदय विद्यालय हुरड़ा की नवपदस्थापित प्राचार्या सुचिता गुप्ता का स्नेह एलुमनी ने किया स्वागत

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा, नवोदय विद्यालय हुरड़ा में नवपदस्थापित प्राचार्या श्रीमती सुचिता गुप्ता का स्नेह एलुमनी भीलवाड़ा (पूर्व छात्र संगठन) द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम महासचिव ऊर्जा, राजस्थान मानवेंद्र कुमावत की अगुवाई में हुआ, जहां सभी पूर्व छात्रों और कार्यकारिणी सदस्यों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर प्राचार्या का अभिनंदन किया। संगठन के सचिव महावीर प्रसाद सुथार ने बताया कि "हरा भरा नवोदय हमारा" अभियान के तहत विद्यालय परिसर में औषधीय और फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर संरक्षक हेमराज लखारा, एडवोकेट राजू डीडवानिया, सत्यनारायण माली, रामस्वरूप चौधरी सहित कई पूर्व छात्र उपस्थित रहे।

चांदाना विद्यालय में यथार्थ गर्ग के जन्मदिन पर विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री वितरण

किस्मत भीलवाड़ा

चांदाना, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय चांदाना में प्रधानाध्यापिका हेम लता गर्ग के सुपुत्र यथार्थ गर्ग के जन्मदिन के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुरेश सिंह राव रहे, जिन्होंने अपने कर कमलों से सामग्री वितरित की। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ सुमित्रा देवी, महेन्द्र गर्ग, कल्पेश कुमार व सर्मीला उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने प्रसन्नता जताई।

शिवगंज में श्रावण मास के अंतिम सोमवार को महादेव का भव्य श्रृंगार व महाआरती

किस्मत भीलवाड़ा

शिवगंज, श्रावण मास के अंतिम सोमवार को बड़गांव रोड स्थित शनिदेव नवग्रह मंदिर व शिवेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव का सायंकालीन भव्य श्रृंगार किया गया। पंडित वेद प्रकाश गर्ग द्वारा महादेव की आंगी सजाई गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। महादेव का अभिषेक व महाआरती के दौरान मंदिर परिसर "हर हर महादेव" के जयघोष से गूंज उठा।

केकड़ी पुलिस की भूमाफिया पर बड़ी कार्रवाई, फर्जी रजिस्ट्री का आरोपी गिरफ्तार

किस्मत भीलवाड़ा

केकड़ी, केकड़ी सिटी थाना पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों के ज़रिए ज़मीन की रजिस्ट्री कराने वाले भूमाफिया आरोपी दीपक उर्फ दीपू उर्फ पिंटू रेगर को गिरफ्तार किया है। प्रकरण में पीड़िता नोरती देवी ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसकी जमीन को कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से किसी अन्य महिला के नाम से फर्जी रजिस्ट्री करवा दी गई। मामले में आरोपी ने साजिशपूर्वक दस्तावेजों में नाम बदलकर संपत्ति हड़प ली। मामले में मुकदमा संख्या 478/24 धारा 420, 467, 468, 471, 120बी भादसं के तहत दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्योराजमल मीणा और वृत्ताधिकारी हर्षित शर्मा के सुपरविजन में गठित टीम ने थानाधिकारी कुसुमलता मीणा के नेतृत्व में आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी में कांस्टेबल तेजमल व दिनेश की भूमिका सराहनीय रही। पुलिस अनुसंधान जारी है।

सावन के अंतिम सोमवार को भक्ति से गूंज उठा भीलवाड़ा,

पूर्व मंत्री रामलाल जाट के नेतृत्व में भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा। श्रावण मास के अंतिम सोमवार को शहर में अद्वितीय भक्ति और देशप्रेम का संगम देखने को मिला। विजन इंडिया वेलफेयर सोसायटी के संरक्षक एवं पूर्व राजस्व मंत्री रामलाल जाट के नेतृत्व में हजारों शिवभक्तों ने हरिद्वार और ऋषिकेश से लाया गया गंगाजल लेकर भव्य कांवड़ यात्रा निकाली। हर हर महादेव और जय शिव शंभू के उद्घोषों से पूरा शहर भक्तिमय हो उठा। यात्रा की शुरुआत मांडल तालाब के मध्य स्थित प्राचीन महादेव मंदिर में पंडितों द्वारा विधिवत अभिषेक के साथ हुई। रामलाल जाट बोट के जरिए मंदिर पहुंचे और महादेव का पूजन कर यात्रा का शुभारंभ किया। इसके बाद कांवड़ यात्रा नीलकंठ महादेव मंदिर पहुंची। पूरे मार्ग पर शिवभक्त भगवा वस्त्रों में, हाथों में तिरंगे, त्रिशूल और कलश लिए हुए देशभक्ति गीतों और शिव भजनों पर झूमते नजर आए। रामलाल जाट स्वयं आगे बढ़कर कांवड़ उठाए चल रहे थे, जिससे शिवभक्तों का उत्साह चरम पर था। भीलवाड़ा शहर में जगह-जगह पुष्पवर्षा, अल्पाहार वितरण और भव्य स्वागत द्वारों के माध्यम से यात्रियों का स्वागत हुआ। विशेष बात यह रही कि मुस्लिम समाज के लोगों ने भी रामलाल जाट और कांवड़ियों का खुले दिल से स्वागत कर गंगा-जमनी तहज़ीब की मिसाल पेश की। करीब 25 किलोमीटर की कठिन यात्रा के बाद जब कांवड़ यात्रा हरणी महादेव मंदिर पहुंची, तो श्रद्धालुओं का उत्साह देखने लायक था। भगवान शिव का गंगाजल, दूध, बेलपत्र और धूप से अभिषेक किया गया। कुछ भक्त भजनों पर झूमते नजर आए, तो कुछ ध्यान में लीन होकर शिव आराधना में मग्न हो गए। कांवड़ियों के लिए समाजसेवियों की ओर से ठंडे पेय, फल और प्रसाद की उत्तम व्यवस्था की गई थी। यह भव्य आयोजन धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक एकता और सामाजिक सौहार्द का अनुपम उदाहरण बनकर सामने आया।

नगर निगम का श्रावण मास में विशिष्ट आयोजन

सावन के अंतिम सोमवार को वार्ड 5, 12, 29 और 50 के शिवालयों में हुआ सहस्त्रधारा अभिषेक

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा नगर निगम भीलवाड़ा द्वारा श्रावण मास के पावन अवसर पर 70 वार्डों के 70 मंदिरों में 70 अभिषेक कार्यक्रम के चोइसवे दिन 4 वार्डों में महापौर राकेश पाठक के नेतृत्व एवं पूर्व सांसद सुभाष बहेडिया के सान्निध्य में आयोजन संपन्न हुआ। वार्ड 12 में पांसल चौराहे के पास स्थित बाबा रामदेव मंदिर में उपमहापौर रामनाथ योगी, पार्षद हेमंत शर्मा की उपस्थिति, वार्ड 5 के अंतर्गत आवरी माता के पास स्थित हनुमान मंदिर में पार्षद प्रशांत त्रिवेदी की उपस्थिति, वार्ड 29 में काशीपुरी के छोटा पार्क स्थित शिवालय में पार्षद लक्ष्मी सेन की उपस्थिति एवं वार्ड 50 में पार्षद उदयलाल तेली की उपस्थिति में सहस्त्रधारा अभिषेक हुआ। पंडित योगेन्द्र शर्मा एवं सहयोगी पंडितों ने अभिषेक संपन्न कराया। इस दौरान भाजपा महामंत्री राजकुमार आंचलिया, गणेश मंडल अध्यक्ष मुकेश सोनी, कार्यक्रम संयोजक पार्षद ओम साईंराम, पार्षद जितेंद्र सिंह राजावत, रामदेव मंदिर अध्यक्ष मनोहर डूमोलिया, मानसिंह, हंसराज तेली, नंदलाल वैष्णव, मिट्ठूलाल, रामेश्वर, राकेश कुमावत सहित अनेक वार्डवासी एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

आज वार्ड 40, 42 व 44 में होगा सहस्त्रधारा अभिषेक

नगर निगम द्वारा आयोजित श्रावण मास सहस्त्रधारा अभिषेक कार्यक्रम आज प्रातः 8 बजे वार्ड 40 में ए सेक्टर स्थित श्री राम पार्क शिवालय में, प्रातः 10.15 बजे वार्ड 44 में पार्क के सामने स्थित हनुमान मंदिर में और सायं 5 बजे वार्ड 42 में स्थित पार्क के सामने शिव मंदिर में आयोजित होगा।

राज्य सरकार की प्राथमिकता है वन एवं पर्यावरण संरक्षण - मंत्री संजय शर्मा

भीलवाड़ा में विभागीय कार्यों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा, राजस्थान के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने सोमवार को भीलवाड़ा में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार वन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह समीक्षा बैठक राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित हुई, जिसमें विधायक अशोक कोठारी, गोपीचंद मीणा, उदयलाल भड़ाना, महापौर राकेश पाठक, जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा व कलेक्टर जसमीत सिंह संधू सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाने, प्लास्टिक प्रदूषण पर सख्त नियंत्रण, ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान और ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने जैसे सुझाव रखे। मंत्री शर्मा ने इन सुझावों की सराहना करते हुए अधिकारियों को इन पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने वन क्षेत्र की सुरक्षा, वन्य जीव संरक्षण और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने हेतु हर स्तर पर सजग रहने को कहा। कलेक्टर संधू ने जानकारी दी कि हरियालो तीज अभियान में 11 लाख के लक्ष्य के विरुद्ध 13 लाख पौधे लगाए गए। उप वन संरक्षक गौरव गर्ग ने वन विभाग की गतिविधियों, रेस्क्यू ऑपरेशन्स, ईको-टूरिज्म और जल संरक्षण के प्रयासों की जानकारी दी। बैठक के बाद मंत्री शर्मा ने मोखमपुरा गांधीनगर स्कूल परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

शक्करगढ़ में चतुर्दिक वाहन कावड़ यात्रा पहुंची ,पारद शिवलिंग का किया अभिषेक

किस्मत भीलवाड़ा

शक्करगढ़ सावन का अंतिम सोमवार श्रद्धा ओर भक्ति भाव के साथ मनाया गया सुबह से ओम नमो शिवाय, हर हर महादेव ओर बम बम भोले के जयकारों की गूंज रही विभिन्न शिव मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ नजर आई। बड़ी संख्या में भक्त भोलेनाथ को रिझाने के लिए मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने जल, दूध, आक, धतूरा और बिल्व पत्र आदि भोले बाबा को अर्पण किए कस्बे सहित आसपास के क्षेत्र से लोग भगवान महादेव के दर्शन करने के लिए पहुंचे श्रावण मास सोमवार को श्री संकटहरण हनुमतधाम शक्करगढ़ में चतुर्दिक वाहन कावड़ पहुंची जिसमे करीबन 2 हजार से ज्यादा कावड़ यात्री थे डीजे की धुन और भक्तो के हर हर महादेव के नारे से गांव गुंजायमान रहे विधायक गोपीचंद मीना व प्रधान कोशल शर्मा प्रतिनिधि किशोर शर्मा सहित कई अन्य जन प्रतिनिधियों ने पहुंचकर महाराज का आशीर्वाद लिया यह आयोजन श्री अमरज्ञान निरंजनी आश्रम शक्करगढ़ के तत्वावधान में किया गया इसमें 251 किलो पारद से निर्मित राजस्थान के प्रथम शिवलिंग पर जलाभिषेक किया इस यात्रा की विशेषता यह है कि यह राजस्थान की चारों दिशाओं से एक साथ प्रारंभ हुई भक्तजन पवित्र जल लेकर वाहन दोपहर 2 बजे तक सभी दिशाओं से कावड़ यात्रा के रूप में श्री संकटहरण हनुमतधाम, शक्करगढ़ पहुंचें पूर्व दिशा से सिंधकेश्वर महादेव मंदिर, केशवरायपाटन, बूंदी, पश्चिम दिशा से त्रिवेणी महादेव मंदिर, त्रिवेणी संगम, उत्तर दिशा से गाडोली महादेव मंदिर एवं बनास नदी, जहाजपुर, दक्षिण दिशा से तिलस्वां महादेव मंदिर एवं सीताकुंड से जल भरकर वाहन यात्रा करते हुए शक्करगढ़ पहुंचें और पारदेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया शाम को भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया

बालापुरा सड़क और जरडा का देव जी दोनो सड़के एक साल में क्षतिग्रस्त

किस्मत भीलवाड़ा

शक्करगढ़ एक साल पहले 78 लाख की लागत से बना ढाई किलोमीटर जोजर से बालापुरा मार्ग और 1 करोड़ 8 लाख की लागत से बनी साढ़े तीन किलोमीटर बाकरा से जर्डा का देवजी सड़क भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। पहली बारिश में ही सड़क जगह जगह से उखड़ गई। बारिश के तेज बहाव में इस मार्ग पर बनी पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि देवी सिंह जी का खेड़ा से बालापुरा सड़क मार्ग 1 साल पहले बना। यह पहली ही बारिश में जगह-जगह से खस्ता हाल हो चुका है। पुलिया का कार्य में लीपा पोती की गई। पहली बारिश में ही पुलिया से सीमेंट बह गई। शिकायत के बाद भी कोई ध्यान नहीं दिया। इस मार्ग पर फैले अंग्रेजी बबूल हादसे को न्योता दे रहे हैं। विभाग का इस और ध्यान नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश है दूसरी ओर ग्रामीणों ने बताया की मैं बन्ना लाल जाट कंट्रक्शन प्रा.लि. के द्वारा बनाई गई सड़क बाकरा से जरडा का देव जो पहली बारिश भी नही झेल पाई सगस जी के पास पुलिया की एक साइड में कटाव हो गया जिससे कभी भी हादसा हो सकता हे ग्रामीणों सार्वजनिक निर्माण विभाग से कार्यवाही की मांग की

शिवगंज में राजेन्द्र पूरणसिंह सोलंकी का पगल्या, ढोल-बाजों के साथ स्वागत

किस्मत भीलवाड़ा

शिवगंज, हरिद्वार से कामेश्वर महादेव, काना कोलर तक 1100 किलोमीटर की पदयात्रा कर लौटे राजेन्द्र पूरणसिंह सोलंकी का आज उनके निवास पर पगल्या कार्यक्रम आयोजित किया गया। मोहल्लेवासियों ने तिलक निकालकर ढोल-बाजों के साथ उनका भव्य स्वागत किया। सोलंकी ने यात्रा के दौरान महादेव का अभिषेक कर पुण्य लाभ अर्जित किया। माहौल भक्ति और उल्लास से भरा रहा।

पटेल आदर्श विद्यालय में छात्र संसद व कन्या भारती के चुनाव सम्पन्न

किस्मत भीलवाड़ा

केकड़ी, पटेल आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय में छात्र संसद व कन्या भारती के चुनाव संपन्न हुए। छात्र संसद में शंकर लाल जाट अध्यक्ष, कन्हैया लाल पांचाल मंत्री, अंकित जाट सचिव और सात्विक पारीक कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। कन्या भारती में साक्षी धाकड़ अध्यक्ष, गुंजन कासोटिया मंत्री, रोशनी धोबी सचिव व रिया शर्मा कोषाध्यक्ष बनीं। चुनाव का उद्देश्य नेतृत्व क्षमता व लोकतांत्रिक प्रक्रिया की समझ विकसित करना रहा। प्रधानाचार्य रामेश्वर चौहान व चुनाव प्रभारी राहुल साहू ने चुनाव संचालन किया। विजेताओं को मंगलवार को वंदना सभा में शपथ दिलाई जाएगी।

केकड़ी में लियो क्लब क्लासिक का गठन, युवा सेवा कार्यों के लिए तैयार

किस्मत भीलवाड़ा

केकड़ी, लायंस क्लब केकड़ी द्वारा युवाओं को सेवा कार्यों से जोड़ते हुए लियो क्लब क्लासिक केकड़ी की स्थापना की गई। प्रांतीय सभापति लायन एस. एन. न्याती ने 18 से 30 वर्ष की आयु के 24 युवाओं को शामिल कर क्लब गठन की जानकारी दी। लियो अमित गर्ग को अध्यक्ष, अंकुर सिंघल को सचिव, युवराज पांड्या सह सचिव, मनीष माहेश्वरी कोषाध्यक्ष और डॉ. पवन सिंघल उपाध्यक्ष चुना गया। गठन में लायन पुरुषोत्तम गर्ग का विशेष सहयोग रहा। बैठक में पटेल आदर्श निकेतन में बाल स्वास्थ्य शिविर लगाने का निर्णय भी लिया गया।

भीलवाड़ा में "वंदे मातरम कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दस्तक संस्था द्वारा आयोजित "वंदे मातरम" कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव, पॉक्सो न्यायाधीश बालकृष्ण मिश्रा एवं श्रीमती अर्चना शर्मा द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम 15 अगस्त को सूचना केंद्र पर आयोजित होगा, जिसमें रेलवे स्टेशन चौराहे से मशाल एवं तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी और देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी। विमोचन अवसर पर दस्तक संस्था के कुणाल ओझा, धर्मवीर सिंह कानावत, राहुल वर्मा सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

त्रिवेणी संगम से पवित्र जल लाकर कांवड़ियों ने गेगा का खेड़ा भगवान शिव का किया जलाभिषेक

किस्मत भीलवाड़ा

आकोला कस्बे के निकटवर्ती गेगा का खेडा गांव में कांवडियों ने त्रिवेणी संगम (बीगोद)से पवित्र नदियों का जल लाकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। कावड़िया संघ सदस्य दुर्गेश शर्मा ने बताया कि इन दिनों सावन मास में भगवान शिव की पूजा अर्चना की जा रही है। इसके अंतर्गत त्रिवेणी संगम से 8:15 बजे 21 कावड़ियों का संघ भगवान शिव की पूजा अर्चना करके रवाना हुआ जो त्रिवेणी,बीगोद, नयागांव, बोहरी माता चौराहा , सोपुरिया, कुडी, गेता पारोली ,नई आबादी होते हुए गांव पहुंचा जहां पर भगवान शिव का कांवड़ियों त्रिवेणी संगम से लाये पवित्र जल से जलाभिषेक किया तथा परिवार तथा क्षेत्र खुशहाली की कामना की। कांवडिया संघ में,सागर उपाध्याय ,शिवराज भुवालिया, गगन पुरोहित ,अंकित पुरोहित , नवीन तिवाड़ी ,सागर व्यास, अभिषेक व्यास, योगेश व्यास, अंशुल पुरोहित, मनोज तिवाड़ी ,सौरभ पुरोहित, अमन गाडरी ,तारेश सेन, राहुल साहू ,सुशील पुरोहित, रवि पुरोहित ,राजू गाडरी,दशरथ लुहार सहित बड़ी संख्या में संघ के सदस्यों ने भाग लिया।

सिंगोली चारभुजा नाथ में भोलेनाथ का किया रुद्राभिषेक

आकोला सिंगोली श्याम आत्मनिर्भर मंदिर पर राजस्थान सरकार देवस्थान विभाग द्वारा सिंगोली श्याम व भोलेनाथ के रुद्राभिषेक मुख्य यजमान विधायक गोपाल खंडेलवाल के सानिध्य में किया गया । मंदिर प्रबंधक अर्जुन सिंह सोलंकी ने बताया कि सावन मास चतुर्थ सोमवार को सिंगोली श्याम मंदिर गर्भगृह भोलेनाथ का रुद्राभिषेक विद्वान पंडितों के वेद मंत्रो से किया गया । इस अवसर पर विधानसभा संयोजक अनिल पारीक ,वरिष्ठ नेता गोवर्धन वैष्णव , मंडल अध्यक्ष श्याम लाल अहीर,भाजपा नेता मनोज सनाढ्य ,सिंगोली पंचायत प्रशासक राकेश आर्य , मोटरो का खेड़ा प्रशासक प्रतिनिधि मूलचंद रेबारी ,मुकुंदपुरिया प्रशासक हरजी रायका ,गजेंद्र साहू ,मुकेश शर्मा ,राधेश्याम सेन ,श्याम लाल शर्मा मंदिर प्रबंधक अर्जुन सिंह सोलंकी , दिनेश सोनी, भंवर लाल शर्मा उपस्थित थे ।

संक्षिप्त खबरें

जिला कांग्रेस ने कांवड़ यात्रा में पूर्व मंत्री रामलाल जाट का किया स्वागत

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा, सावन के अंतिम सोमवार को मांडल से हरणी महादेव तक निकाली गई कांवड़ यात्रा के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी ने पूर्व राजस्व मंत्री रामलाल जाट का कलेक्ट्री चौराहे पर भव्य स्वागत किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने फूलमालाएं पहनाकर, उपरना ओढ़ाकर व पुष्पवर्षा कर यात्रा का अभिनंदन किया। इस मौके पर चन्द्र प्रकाश अमरवाल, कैलाश सेन, ईश्वर खोईवाल, योगेश सोनी, शिवराज सुराणा, मुस्ताक अली मंसूरी, राजेन्द्र सिंह राठौड़, महावीर व्यास सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।,

सादर थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई 10-10 हजार के दो ईनामी शराब तस्कर गिरफ्तार

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा, सदर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध अंग्रेजी और देशी शराब की सप्लाई में संलिप्त दो ईनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारसमल जैन और वृताधिकारी श्यामसुंदर विश्नोई के निकट पर्यवेक्षण में की गई। टीम ने जयपुर में दबिश देकर आरोपी रवि कुमार सैनी और कुलदीप सिंह राजपूत को गिरफ्तार किया, जो 9 फरवरी 2025 को हमीरगढ़ थाना क्षेत्र में पकड़ी गई 81 कार्टून अवैध अंग्रेजी शराब के मामले में वांछित चल रहे थे। गिरफ्तारी से पहले आरोपी लगातार फरार थे और अपनी पहचान छिपाकर जयपुर में रह रहे थे। टीम ने तकनीकी निगरानी और मुखबिरी से उनकी लोकेशन ट्रेस कर धरदबोचा। गिरफ्तारी में थानाधिकारी कैलाश विश्नोई, राजपाल सिंह (स्पेशल टीम प्रभारी), प्रतापराम, ऋषिकेश, अमृत सिंह, रविंद्र सिंह और साइबर सेल के सत्यनारायण का विशेष योगदान रहा।

42 किलो डोडाचूरा सहित कार जब्त, आरोपी फरार

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा, जिले की गुलाबपुरा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 42 किलो डोडाचूरा बरामद किया है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त बेलेनो कार को भी जब्त किया है, हालांकि तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा राजेश आर्य और वृताधिकारी गुलाबपुरा जितेन्द्र सिंह के सुपरविजन में की गई। थानाधिकारी हनुमान सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तड़के करीब 4 बजे हाईवे पर नाकाबंदी के दौरान यह सफलता हासिल की। कार की डिक्की से तीन कट्टों में कुल 42 किलोग्राम डोडाचूरा मिला। इस संबंध में NDPS एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। टीम में मोतीलाल, रमेश कुमार, सुभाष चंद्र, श्रवण कुमार और रविन्द्र कुमार का विशेष योगदान रहा। फरार तस्करों की तलाश जारी है।

कालिया नाथ को शिवशंकर श्रृंगार किया

किस्मत भीलवाड़ा

आकोला बरुदंनी सावनसोमवार को मंदिरो में शिव श्रृंगार किया सारस्वत मोहल्ले में हनुमान जी कि व चोकके मन्दिर मेकालिया नाथ कि मूर्ति को शिव रुप दिया कस्बे के निकट शिवालयोमें धूमधाम से पूजा पाठ किया शिव मन्दिर में भक्तों कि भीड़ दिन भर रहीचौक के मंदिर में कालिया नाथ के अखंड रामायण का पाठ सावन माह से शुरू हुआ रामचरितमानस का पाठ विश्व शाति जन कल्याण के लिए किया जा रहा है इसमें कालिया नाथ के भक्तजनों का सहयोग है मन्दिर पुजारी महावीर वैष्णव, गोपाल वैष्णव ,श्याम वैष्णव आदि उपस्थित थे

पेयजल के लिए डाली गई पाइप लाइन का विरोध

किस्मत भीलवाड़ा

आकोला वार्डपंच शिव शंकर अहीर ने बताया एचडी के द्वारा बरूदनी से नया कुआ और नला का कुआं पेयजल योजना के तहत पाइप लाइन डाली गई जो नया कुआं से बिछोर रोड के किनारे पीडब्ल्यूडी के रोड के शोल्डर पर लाइन को डाली गयी सरकारी पैसों का दुरुपयोग किया जा रहा है लाइन को नला का कुआं ले जा रहे हैं जब भी रोड बनेगा और बड़े वहान निकलेंगे यह लाइन दब जाएगी टूट जाएगी महत्वपूर्ण योजना का दुरुपयोग कर रहे हैं कोई कहने वाला और कोई सुनने वाला नहीं है बहुत गलत हो रहा है मोके पर गोपाल लाल पटेल विष्णु अहीर शकरलाल धोबी चंद्रशेखर अहीर आदि उपस्थित थे

एक रक्तदान- मित्र के नाम रक्तदान शिविर का आयोजन,367 रक्त यूनिट संग्रहित हुआ

किस्मत भीलवाड़ा

गुलाबपुरा निकटवर्ती ग्राम खेजड़ी श्री राधे मित्र मंडल एवं समस्त ग्रामवासी जीवन ज्योति रक्तदाता समूह के संयुक्त तत्वाधान में एक रक्तदान मित्र के नाम रक्तदान शिविर का पंचायत समिति हुरडा के प्रधान कृष्ण सिंह राठौड़, सरपंच प्रतिनिधि दिलीप सिंह राठौड़, नारायण लाल गहलोत, कल्याण गहलोत, पप्पू प्रजापत, मथुरा लाल जोशी ने दीप प्रज्वल एवं पुष्पांजलि अर्पित कर शुरुआत की। रक्तदान शिविर में रक्तदान महादान, जय जय रक्तवीर ,भारत मां के जयकार के नारे गूंजे। श्री राधे मित्र मंडल के पदाधिकारीयो ने बताया कि कुछ 1 वर्ष पूर्व स्वर्गीय राधे गहलोत का सड़क दुर्घटना में निधन हो गया था। रक्त अर्पण श्रद्धांजलि स्वरुप मित्र मंडल एवं खेजडी के समस्त ग्राम वासियों के सहयोग से एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में आसपास के क्षेत्र से युवा साथियों ने रक्तदान शिविर में पहुंचकर उत्साह से रक्तदान किया। मंडल द्वारा सभी रक्त वीरों को ऊपरना औढाकर एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिविर में 7 मात् शक्तियों सहित 367 रक्त वीरों ने अपना जीव द्रव्य दान कर स्वर्गीय भाई को रक्त अर्पण श्रद्धांजलि दी। रक्तदान शिविर में पूर्व विधायक हगामी लाल मेवाडा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष गुलाबपुरा धनराज गुर्जर ,सरपंच संघ अध्यक्ष भीलवाड़ा शक्ति सिंह कालियास, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष भीलवाड़ा संपत गुर्जर, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि नवरत्न बुरड़ ,गोपाल गुर्जर बस्सी रामदेव गुर्जर ,देव सालवी भीलवाड़ा मित्र मंडल,जगपुरा सरपंच भीम सिंह ,रक्त सैनिक सेवा पनोतिया,जय अंबे सोशल ग्रुप देवलिया कलां,लखदातार मित्र मंडल हुरडा ,ओम बना मित्र मंडल बदनोर जीवन ज्योति रक्तदाता समूह के पदाधिकारीयो ने शिविर में पहुंचकर स्वर्गीय राधे गहलोत के छायाचित्र के समक्ष आत्मीय भाव से पुष्पांजलि अर्पित कर रक्त वीरों का उत्सावर्धन किया। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने सामाजिक सेवा कार्यों से जुड़ी संस्थाओं के पदाधिकारीयो ने इस महान कार्य के लिए श्री राधे मित्र मंडल खेजड़ी एवं समस्त ग्राम वासियों को धन्यवाद दिया एवं सभी ने रक्तदान जैसे महान सेवा कार्यों से जुड़ने की अपील की। पप्पू प्रजापत दिनेश गहलोत ने शिविर में पधारे हुए जनप्रतिनिधियो, सामाजिक सेवा से जुड़े हुए पदाधिकारीयो एवं समस्त ग्राम वासियों का शिविर को सफल बनाने के लिए आभार प्रकट किया।

बाँधनवाड़ा में नर्सिंग अधिकारी से मारपीट पर सावर उपखंड अधिकारी को दिया ज्ञापन

नर्सिंग कर्मियों ने जताया रोष मुख्यमंत्री से की कार्यवाही की मांग

किस्मत भीलवाड़ा

सावर। सीएचसी बांदनवाड़ा में असमाजिक तत्व द्वारा नर्सिंग अधिकारी के साथ मारपीट करने पर जिला स्तरीय आव्हान के बाद आज आस्था शर्मा उपखंड अधिकारी,सावर को ज्ञापन दिया गया। मुख्यमंत्री के नाम दिए गए ज्ञापन के दौरान आरएनए ब्लॉक अध्यक्ष ,सावर मुकेश मीणा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री चिकित्सा स्वास्थ्य मंत्री के साथ चिकित्सा विभाग के आला अधिकारियों के नाम ज्ञापन सौप कर आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की एवम चिकित्सालय में 24 घंटे गार्ड एवम वार्ड बॉय लगाया जाए ताकि इस प्रकार की घटना घटित होने से रोका जा सके जिलाध्यक्ष शिवराज सिंह शेखवात ने घटना को लेकर मौके पर सीएचसी बादनवाड़ा पहुंचकर कड़ी आपत्ति दर्ज करवाई सम्भागीय संयोजक सुरेंद्र सिंह सोलंकी ने बताया कि सीएचसी बांदनवाड़ा में उक्त घटना के बाद नर्सिंग ऑफिसर के साथ हुई मारपीट के कारण समस्त सीएचसी बांदनवाड़ा के हॉस्पिटल स्टॉफ ने कार्य बहिष्कार कर दिया था इस पर स्थानीय विधायक मसूदा वीरेंद्र सिंह कानावत मौके पर हॉस्पिटल पहुंचकर विभागीय अधिकारियो को नर्सिंग अधिकारीयों की सुरक्षा की मांग को लेकर आवश्यक दिशा - निर्देश दिए एवम आश्वासन दिया की नर्सेज की जायज मांगों का अतिशीघ्र समाधान करवा दिया जायेगा एवम भविष्य में इस प्रकार की घटना घटित नही होगी उसके लिए पर्याप्त बंदोबस्त किया जाएगा इस दौरान बीसीएमएचओ भिनाय एवम सीएचसी इंचार्ज एवम अन्य जन प्रतिनिधी नर्सिंग अधिकारीयों के साथ मौजूद रहे विधायक कानावत के आश्वासन एवम मरीजों के हित को देखते हुए नर्सेज संगठन ने अपना कार्य बहिष्कार का निर्णय फिलहाल स्थगित कर दिया हे जिले के समस्त नर्सिंग अधिकारियो का बहुत - बहुत धन्यवाद की उन्होंने अपनी नाराजगी ज्ञापन के माध्यम से राज्य सरकार तक पहुंचाई सीएचसी बांदनवाड़ा की मांग को लेकर आज उपखण्ड अधिकारी,सावर को ज्ञापन देने के दौरान आरएनए प्रदेश सयोजक बंटू लाल मीणा,शक्ति सिंह, रतन सामरिया,हंसराज रैगर,राहुल जांगिड़ आदि नर्सिंग ऑफिसर्स मौजूद रहे

शिंव भक्तिमय हुआ कामलीघाट कांवड़ यात्रा में दिखा उत्साह

श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर पर कांवड़ियों का उमड़ा जनसैलाब

देवगढ़ / राजसमंद श्रावण के अंतिम सोमवार को पर्यटन नगरी कामलीघाट में कावड़ यात्रा निकाली गईं। कांवड़ यात्रा सिद्धेश्वर महादेव मदिंर आश्रम के संत बाबा बालक नाथजी के नेतृत्व में डांन की बावड़ी स्थित भीमनाथजी की जिवित समाधि से माथुवाडा तक कांवड़ यात्रा निकली। जिसमें एक कांवड़ यात्रा स्वादड़ी भैरु जी मंदिर व दुसरी बागाना के आवरी माता मंदिर से तीसरी कांवड़ यात्रा भीम नाथजी की धुणी से निकलकर तीनों का कामलीघाट पर संगम हुआ यात्रा में कामला, किटों का बाड़िया, बग्गड़, छापली, विरमगुडा, पिथागुडा , से सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ एक विशाल कावड़ यात्रा निकली, यह यात्रा पवित्र बावड़ी का जल लेकर 10 किलोमीटर पैदल चलकर माथुवाड़ा के सिद्धेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान भोलेनाथ का विशेष औषधीय द्रव्यों और पंचामृत से अभिषेक किया। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पुष्पांजलि अर्पित की गई और महा आरती की गई। कावड़ यात्रा का नगर में जगह-जगह स्वागत किया गया। कामलीघाट के नगरवासियों द्वारा पुष्पवर्षा से कांवड़ियों का अभिनंदन किया। अंत में विशाल धर्म सभा का आयोजन हुआ और सिद्धेश्वर महादेव आश्रम पर भोजन प्रसाद कि व्यवस्था की जिसमें सभी भक्तजनों ओर कांवड़ियों ने प्रसाद ग्रहण किया ,,

भाविप शाखा भोजरास द्वारा 34 गुरु वंदन व 12 विद्यार्थीयों का किया अभिनंदन

किस्मत भीलवाड़ा

गुलाबपुरा भारत विकास परिषद शाखा भोजरास द्वारा संस्कार गतिविधि के तहत इस सत्र का द्वितीय गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भोजरास, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय भोजरास में आयोजित किया गया। दोनो विद्यालयों के कुल बच्चों की संख्या 551 रही। 34 गुरुजन का शाखा सदस्यों द्वारा एक पेन, श्रीफल व ओपरना पहनाकर वंदन किया गया। 3 छात्र व 9 छात्राओं को उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने पर दो पेन दो कॉपी व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। गुलाबपुरा शाखा के वरिष्ठ सदस्य, पूर्व प्रांतीय संयोजक किशोर राजपाल व गुलाबपुरा शाखा पूर्व अध्यक्ष कन्हैयालाल सोनी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में किशोर राजपाल द्वारा गुरु वंदन छात्र अभिनंदन के बारे में बच्चों को गुरु के महत्व के बारे में प्रेरणादाई कहानियों के माध्यम से बच्चों का समझाया। साथ ही गुरुजनों से आग्रह किया है कि किताबी ज्ञान के साथ-साथ बच्चों को संस्कारित भी करें।इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष भंवरलाल टेलर, शाखा संस्कार संयोजक जगदीश कुम्हार, शाखा गुरु वंदन प्रभारी रतन सिंह गहलोत, शाखा सेवा प्रमुख अशोक अजमेरा, शाखा भारत को जानो प्रभारी भंवर लाल शर्मा, शाखा पूर्व अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद मालपानी, शाखा योग प्रभारी कृष्णकांत शर्मा आदि परिषद सदस्य उपस्थित थे। प्रधानाचार्य द्वारा परिषद के सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।कार्यक्रम का संचालन शाखा के वरिष्ठ सदस्य चिरंजीव वैष्णव ने किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

श्री बाबा महाकाल भक्त मंडल ने भोलेनाथ का किया अभिषेक व एक लाख एक हजार रुपये की राशि गौउपचार एम्बुलेंस हेतु भेट की

किस्मत भीलवाड़ा

गुलाबपुरा स्थानीय श्री बाबा महाकाल भक्त मंडल ने सावन माह के अंतिम सोमवार को चारभुजा मंदिर प्रांगण में विधि विधान मंत्रोच्चार से भगवान भोलेनाथ का सहस्त्र धारा व दुग्ध अभिषेक किया गया। इस पावन अवसर पर श्री माधव गौ उपचार केंद्र गुलाबपुरा को एम्बुलेंस सेवा हेतु श्री बाबा महाकाल भक्त मंडल द्वारा एक लाख एक हजार एक रूपये की राशि का सहयोग किया गया।इस दौरान श्री माधव गौ उपचार समिति अध्यक्ष प्रेमचंद दिनवानी (गुड्डु भाई), कोषाध्यक्ष रमेश सोनी, सागर नुवाल, शिव पोरवाल, विकास आचार्य, कैलाश लड्ढा, हरीश छतवानी, माणकचंद जैन, बाबा महाकाल भक्त मंडल के एडवोकेट गोपाल लाल वैष्णव, रामकुंवार चौधरी, हरीश शर्मा, हरीश गनवानी, सुनील तोषनीवाल, अनुराग कांकरिया, मनोज व्यास, अविनाश मेवाड़ा, बुद्धिप्रकाश लोहार,कुलदीप आचार्य सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। समिति अध्यक्ष प्रेमचंद गुड्डु दिनवानी ने सहयोग हेतु मंडल का आभार व्यक्त किया और बताया एम्बुलेंस आने से 50 किलोमीटर की परिधि तक गौ सेवा को गति मिलेगी व पीड़ित गौवंश को समय पर उपचार मिल सकेगा।

गंगापुर थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

महिलाओं से जेवर लूटने वाले दो शातिर आरोपीत गिरफ्तार, आधा दर्जन वारदातों का खुलासा

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा, गंगापुर थाना पुलिस ने महिलाओं से दिनदहाड़े जेवर लूटने वाले दो शातिर आरोपितों जाकिर हुसैन और पप्पूलाल नायक को गिरफ्तार कर छह से अधिक वारदातों का खुलासा किया है। थानाधिकारी लीलाधर मालवीय के नेतृत्व में गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर महेन्द्रगढ़ क्षेत्र में संदिग्ध बाइक की जांच की और दोनों को दबोच लिया। आरोपियों ने गंगापुर, रायपुर और कारोई क्षेत्र में महिलाओं से रामनवमी, मोती, चांद और अन्य सोने के आभूषण लूटने की वारदातें कबूल की हैं। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल ताराचंद, कांस्टेबल रामदेव, सुभाष, देवीलाल, सुरेश, हेमेन्द्र सिंह व अन्य का विशेष योगदान रहा। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पहले महिलाओं से रास्ता पूछते और फिर मौका देखकर जेवर छीनकर फरार हो जाते थे। पुलिस ने आरोपियों से और वारदातों की जानकारी जुटाने के लिए पूछताछ जारी रखी है।

सादर थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

10-10 हजार के दो ईनामी शराब तस्कर गिरफ्तार

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा, सदर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध अंग्रेजी और देशी शराब की सप्लाई में संलिप्त दो ईनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारसमल जैन और वृताधिकारी श्यामसुंदर विश्नोई के निकट पर्यवेक्षण में की गई। टीम ने जयपुर में दबिश देकर आरोपी रवि कुमार सैनी और कुलदीप सिंह राजपूत को गिरफ्तार किया, जो 9 फरवरी 2025 को हमीरगढ़ थाना क्षेत्र में पकड़ी गई 81 कार्टून अवैध अंग्रेजी शराब के मामले में वांछित चल रहे थे। गिरफ्तारी से पहले आरोपी लगातार फरार थे और अपनी पहचान छिपाकर जयपुर में रह रहे थे। टीम ने तकनीकी निगरानी और मुखबिरी से उनकी लोकेशन ट्रेस कर धरदबोचा। गिरफ्तारी में थानाधिकारी कैलाश विश्नोई, राजपाल सिंह (स्पेशल टीम प्रभारी), प्रतापराम, ऋषिकेश, अमृत सिंह, रविंद्र सिंह और साइबर सेल के सत्यनारायण का विशेष योगदान रहा।

राजसमंद जिला स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता संपन्न, विजेता खिलाड़ी राज्य स्तर पर करेंगे प्रतिनिधित्व

किस्मत भीलवाड़ा

मंडावर, योगासन भारत के जिला योगासन खेल संघ राजसमंद द्वारा विद्या निकेतन संस्थान देवगढ़ में 6वीं जिला स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता का सफल आयोजन हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्राचार्य लोकेंद्र सिंह पंचोली और अध्यक्षता भारत स्वाभिमान राजसमंद के प्रभारी रामजी लाल चौबीसा ने की। प्रतियोगिता में सब-जूनियर से सीनियर वर्ग तक 10 से 55 वर्ष आयु के प्रतिभागियों ने पारंपरिक, कलात्मक और तालबद्ध योगासनों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में ओमप्रकाश माली, दिग्विजयंता मेवाड़ा, धर्मपाल सिंह सहित अन्य शामिल रहे। प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में महिमा जोशी, मलिश्का सालवी व जानवी शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग में प्रिंस मेवाड़ा, ऋषभ सिंह व हेमंत टेलर विजेता रहे। सभी विजेताओं को नगर पालिका चेयरमैन शोभा लाल रेगर व मुख्य अतिथि द्वारा मेडल व प्रमाण पत्र भेंट कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम का संचालन मधुसूदन जोशी ने किया, जबकि आयोजन में लक्ष्मण सिंह खोखावत, मनीष तिवारी, योग प्रचारक प्रेम जोशी व अन्य का सहयोग सराहनीय रहा।

भीलवाड़ा- साध्वी कुमुदलताजी म.सा. बोलीं - मन, वचन और काया से हिंसा न करें, तभी बचेगा कर्म बंध

किस्मत भीलवाड़ा

भीलवाड़ा, आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति द्वारा सुभाषनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में दिवाकर कमला दरबार में सोमवार को आयोजित धर्मसभा में महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी म.सा. ने कहा कि "जीवन में अहिंसा का पालन करना ही सच्चा धर्म है। अगर मन, वचन और काया से हिंसा की जाती है, तो वह पाप कर्म का बंधन कराती है।" उन्होंने बताया कि हिंसा केवल हथियार से ही नहीं, सोच और वाणी से भी होती है, और इससे बचना जरूरी है। महासाध्वी महाप्रज्ञाजी म.सा. ने कहा कि काया पर नियंत्रण और त्याग से ही आत्मिक शांति मिलती है। पुरूषार्थ और भाग्य दोनों साथ चलें तो सफलता निश्चित है। धर्मसभा में वास्तुशिल्पी पद्मकीर्तिजी म.सा. और साध्वी राजकीर्तिजी म.सा. भी उपस्थित रहीं। धर्मसभा में सुभाषनगर निवासी तपस्वी अर्पिता चण्डालिया ने साध्वी कुमुदलताजी म.सा. के मुखारविंद से अठाई तप का प्रत्याख्यान लिया। इस अवसर पर तपस्वी का समिति और श्रीसंघ की ओर से अभिनंदन और अनुमोदना की गई। धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को राखी मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 55 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। वहीं, धार्मिक संस्कार शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को धार्मिक शिक्षा दी गई। कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र सुराना ने किया। इस अवसर पर दौलतमल भड़कत्या, हेमन्त कोठारी, टीना बापना, सुरेन्द्र मेहता सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

भारतीय हथकरघा के लिए नवाचार और स्थायित्व के साथ भविष्य बुनना

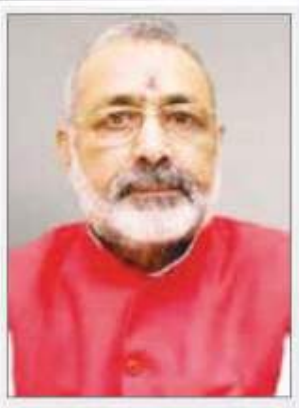

गिरिराज सिंह

आज, तेजी से बढ़ते शहरी प्रवास और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के साथ, पारंपरिक बुनकर की अपने करघे पर भूमिका प्रतीकात्मक से कहीं ज्यादा बढ़ गई है, अब यह हरित तकनीक और सांस्कृतिक संरक्षण का एक सशक्त उदाहरण बन गई है। भारत की हथकरघा विरासत एक ऐसा मार्ग प्रशस्त करती है जो पर्यावरण और शिल्प से जुड़े लोगों का सम्मान करती है और देश को ज़िम्मेदार एवं नैतिक फैशन के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है।

हथकरघा क्षेत्र भारत में सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और 3.5 मिलियन से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है। स्थानीय बुनकरों द्वारा नैतिक रूप से निर्मित हथकरघा और दस्तकारी वस्त्र, बड़े पैमाने पर उत्पादित फास्ट फैशन का एक सार्थक विकल्प प्रस्तुत करते हैं। ऐसा करके, वे भारत की समृद्ध विरासत को आधुनिक विश्व के लिए एक व्यापक स्थिरता की कहानी में शामिल करते हैं।

टिकाऊ वस्त्र इको-सिस्टम के निर्माण के लिए ग्रामीण हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टरों को सहायता देना महत्वपूर्ण है। ये क्लस्टर भारतीय शिल्पकला की उन जीवंत परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें परिवारों और समुदायों द्वारा पीढ़ियों से कायम रखा गया है। निजी क्षेत्र और सामाजिक उद्यमों ने इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में सराहनीय भूमिका निभाई है। उनका कार्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों के साथ नवाचार, स्थानीय स्रोत, रि-साईकिलिंग और अप-साईकिलिंग, तथा पारंपरिक प्रथाओं के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने तक फैला हुआ है। ये प्रयास सहयोग के माध्यम से कारीगर समुदायों को सशक्त बनाने, शिल्पकारों और डिजाइनरों के बीच साझेदारी बनाने, उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने और कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं। जापान के ओसाका में आयोजित विश्व एक्सपो 2025 और अमेरिका के सांता फे में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय लोक कला बाजार जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर भारतीय शिल्पकारों की हालिया भागीदारी उनकी अनुकूलनशीलता और वैश्विक अपील को दशार्ती है।

भारत सरकार अनेक योजनाओं और पहलों के माध्यम से वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र (टेक्सटाइल इको-सिस्टम) का समर्थन करती है। इनमें कच्चे माल की खरीद, करघों और सहायक उपकरणों आदि की खरीद के लिए वित्तीय सहायता, महिला सशक्तिकरण के लिए प्रोत्साहन, कौशल विकास कार्यक्रम तथा पारंपरिक हथकरघों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु मार्केटिंग प्रयास शामिल हैं। पर्यावरण-अनुकूल और सर्कुलर प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने, जैविक कच्चे माल तक पहुँच में सुधार लाने और नैतिक प्रथाओं के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलों ने हथकरघा बुनकरों के लिए अवसरों का काफी विस्तार किया है। 'कौशल भारत' और 'डिजिटल भारत' जैसे अन्य कार्यक्रम कारीगरों

को अपने कौशल को अपग्रेड करने और अपने कार्यस्थलों से सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचने में सक्षम बना रहे हैं।

इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने के लिए हथकरघा परंपराओं का दस्तावेजीकरण और संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है। वस्त्र मंत्रालय के नेतृत्व में डिजिटल संग्रह, भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष, पारंपरिक और समकालीन ज्ञान दोनों को संग्रहित करके इस उद्देश्य की पूर्ति करता है। यह मंच अनुसंधान डेटा, डिजाइनर और कारीगर प्रोफाइल, एक वर्चुअल संग्रहालय और डिजिटल प्रदर्शनियां उपलब्ध कराता है, जिससे यह विद्वानों, शिक्षार्थियों और शिल्प उत्साही लोगों के लिए एक मूल्यवान संसाधन बन जाता है।

हथकरघा क्षेत्र को अधिक लक्ष्य-उन्मुख और लाभदायक बनाने के लिए व्यवसाय-केंद्रित रणनीति आवश्यक है। को-ऑप्टेक्स, बोयानिका अथवा टाटा ट्रस्ट द्वारा अन्तरान जैसे हथकरघा मार्केटिंग संगठनों की केस स्टडी से पता चलता है कि व्यवस्थित योजना, चाहे वह समितियों, सहकारी समितियों के प्रोत्साहन के माध्यम से हो अथवा गैर-लाभकारी संस्थाओं के साथ सहयोग के माध्यम से हो, हथकरघा बुनकरों की आय और आजीविका में महत्वपूर्ण सुधार ला सकती है।

इसे हासिल करने के कई तरीके हैं। पारंपरिक और आधुनिक, दोनों बाजारों के लिए नए डिजाइन विकसित करने के साथ-साथ पारंपरिक डिजाइनों को पुनर्जीवित करना, खासकर थीम-आधारित प्रदर्शनियों के जरिए, ग्राहकों को शिक्षित करने और माँग बढ़ाने में मदद कर सकता है। अंगवस्त्रम, वेष्टी और मुंडू जैसे उत्पादों को भी प्रासंगिक बने रहने के लिए विचारशील डिजाइन नवाचार की आवश्यकता होती है। वर्तमान आंकड़ों से पता चलता है कि केवल 22% हथकरघा बुनकर साड़ियां बनाते हैं और 19% अंगवस्त्रम और इसी तरह के उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे 59% ऐसे बुनकर बचते हैं जिन्हें घरेलू साज-सज्जा और वस्त्र सामग्री की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित और सक्रिय किया जा सकता है। आधुनिक रुचियों के अनुरूप ढलते हुए, भारतीय हथकरघा को परिभाषित करने वाले अद्वितीय क्षेत्रीय कौशल और तकनीकों को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है। जैविक फाइबर, प्राकृतिक रंगों और टिकाऊ सामग्रियों के उपयोग से हथकरघा उत्पादों का मूल्य और आकर्षण और अधिक बढ़ सकता है।

वस्त्र मंत्रालय संत कबीर और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार जैसे पुरस्कारों के माध्यम से बुनकरों के योगदान को सक्रिय रूप से मान्यता प्रदान कर रहा है और उन्हें पुरस्कृत कर रहा है। हाल के वर्षों में, नई श्रेणियां शुरू की गई हैं, जैसे कि महिला बुनकरों, जनजातीय कारीगरों, दिव्यांग बुनकरों, नवोन्मेषी उत्पादक समूहों और हथकरघा के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने वाले डिजाइनरों के लिए पुरस्कार। इसमें एक उल्लेखनीय बात यह है कि युवाओं को युवा बुनकर पुरस्कार भी दिया जाता है, जोकि 30 वर्ष से कम आयु के ऐसे कारीगरों को दिया जाता है, जिन्होंने पारंपरिक तकनीकों में निपुणता प्राप्त कर ली है तथा नवाचार अथवा उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हैं। ये पुरस्कार न केवल प्रतिष्ठित हैं बल्कि पारदर्शी और लोकतांत्रिक भी हैं, तथा इनके साथ नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र भी दिए जाते हैं। संत कबीर, राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार विजेताओं को आजीवन 8,000 रुपये मासिक पेंशन दी जाती है। इसका उद्देश्य हथकरघा के क्षेत्र में नवाचार, विशेष रूप से ऐसी तकनीकों और सौंदर्यबोध को बढ़ावा देना है, जिनकी मशीनों अथवा पावरलूमों द्वारा नकल नहीं की जा सकती है।

भारतीय हथकरघा उद्योग का स्थायित्व बनाए रखने के लिए परंपरा और नवाचार दोनों को अपनाने की आवश्यकता है। भारत कपास, रेशम, ऊन, जूट और नारियल के रेशों जैसे प्राकृतिक फाइबर से समृद्ध है, और यहाँ बाँस, केले के फाइबर, हेम्प और मिल्कवीड जैसी नई सामग्रियों की खोज तेजी से हो रही है। कृषि अपशिष्ट की एक बड़ी मात्रा भी अभी तक पूरी तरह से उपयोग में नहीं आ पाई है। इस प्रचुरता के बावजूद, वास्तव में टिकाऊ उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर यार्न और वस्त्र प्रसंस्करण को मजबूत करने की अभी भी आवश्यकता है।

वस्त्र क्षेत्र में उद्यमों के सर्कुलर उत्पादन में तेजी आ रही है। वर्तमान समय में भारत की गहन भौतिक संस्कृति के बारे में जागरूकता बढ़ रही है, यह केवल यार्न और फैब्रिक में ही नहीं, बल्कि परिधानों के सहायक उपकरणों में भी बढ रही है, जिनका पर्यावरणीय प्रभाव के लिए मूल्यांकन किया जा रहा है। बचे हुए कपड़ों और धागों का उपयोग करके बनाए गए पुनर्चक्रित संग्रह लोकप्रिय हो रहे हैं, जो पारंपरिक, टिकाऊ प्रथाओं के पुनरुद्धार में योगदान दे रहे हैं। यह आंदोलन पर्यावरण के प्रति जागरूक फैशन की ओर एक व्यापक वैश्विक बदलाव को दशार्ता है।

आज, तेजी से बढ़ते शहरी प्रवास और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के साथ, पारंपरिक बुनकर की अपने करघे पर भूमिका प्रतीकात्मक से कहीं ज्यादा बढ़ गई है, अब यह हरित तकनीक और सांस्कृतिक संरक्षण का एक सशक्त उदाहरण बन गई है। भारत की हथकरघा विरासत एक ऐसा मार्ग प्रशस्त करती है जो पर्यावरण और शिल्प से जुड़े लोगों का सम्मान करती है और देश को ज़िम्मेदार एवं नैतिक फैशन के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है।

संपादकीय

मिसाल हो कायम

बेंगलुरु स्पेशल कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना को रेप के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। उस पर 48 वर्षीय एक घरेलू सहायिका ने कई दफा रेप करने का आरोप लगाया था। बीते साल उस पर चार मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें से पहले मामले में दोषी ठहराया गया है। उस पर आईपीसी की धाराएं 376 (2के) (प्रभावशाली व्यक्ति द्वारा रेप), 376(2)(एन) (बार-बार रेप) 354(ए) (कपड़े उतारने के लिए हमला या बल प्रयोग), 354(सी)(ताकझांक), 506 (सबूतों को गायब करना), सूचना प्रोद्यौगिकी अधिनियम की धारा 66(ई) लगाई गई। 1632 पन्नों की चार्जशीट के साथ इलेक्ट्रॉनिक व अन्य 183 सबूत पेश किए गए। बीते साल कर्नाटक सैक्स स्कैंडल के उछलने के बाद प्रज्वल का नाम सामने आया था, उस पर पचास से ज्यादा महिलाओं के यौन उत्पीड़न का आरोप है। पीड़ित अमूमन हासन, मैसूर व होलेनरासीपुर व करीबी इलाकों की हैं। हासन के इस सांसद के वहीं के स्टेडियम में सैकड़ों की तादाद में बिखरे मिले पेन ड्राइवों में तकरीबन तीन हजार सेक्स क्लिप व तस्वीरें मिलते ही मामले ने तूल पकड़ लिया था। कई वीडियो वह खुद बना रहा था। वीडियो वायरल होते ही वह देश छोड़ कर भाग गया। प्रधानमंत्री रहे दादा, मुख्यमंत्री रहे चाचा और मंत्री पिता का यह इंजीनियर बेटा 2019 में देश में तीसरा सबसे कम उम्र का सांसद बनने पर चर्चा में आया था। दादा के चेताने पर जर्मनी से लौटा तो एयरपोर्ट से ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पैसों और हैसियत के बल पर महिलाओं के साथ हैवानियत करने वाले की ताकत का ही भय है कि पचास में से केवल चार पीड़िताओं ने सामने आने का साहस किया। हालांकि पहले वह खुद को बेकसूर और आरोपों को झूठा बता रहा था। मगर पकड़े जाने के बाद उसने कन्नड़ टीवी चैनल को भेजे वीडियो में दादा, मां-बाप, जनता दल (सेक्युलर) के कार्यकर्ताओं व राज्य के लोगों से माफी मांगी। लोगों में अपराधियों के प्रति गुस्से के चलते मामले को दबाया नहीं जा सका। बेशक, यह न्याय प्रक्रिया की ताकत है जिसने राज्य चलाने वालों की विकृति को न सिर्फ उधेड़ा, बल्कि कमजोर वर्ग की उस स्त्री को न्याय देकर छिपी बैठीं पीड़िताओं को न्याया का भरोसा दिया है। हालांकि अभी दोषी ऊपरी अदालत जाने को स्वतंत्र है। वहां तक मामला जाने और सलाखों के पीछे जाने में सालों लग सकते हैं, जिससे बच जाना जरूरी हैं। ताकतवर दोषियों को सजा दिला कर कड़ा संदेश देना बेहद जरूरी है।

चिंतन-मनन

सांख्य और कर्मयोग का संबंध

भौतिक जगत के विश्लेषणात्मक अध्ययन (सांख्य) का उद्देश्य आत्मा को प्राप्त करना है। भौतिक जगत की आत्मा विष्णु या परमात्मा है. भगवान की भक्ति का अर्थ परमात्मा की सेवा है। एक विधि से वृक्ष की जड़ खोजी जाती है और दूसरी विधि से उसको सींचा जाता है। सांख्य दर्शन का वास्तविक छात्र जगत के मूल अर्थात विष्णु को ढूंढता है, और फिर पूर्णज्ञान समेत अपने को भगवान की सेवा में लगा देता है। अतः मूलतः इन दोनों में कोई भेद नहीं है क्योंकि दोनों का उद्देश्य विष्णु की प्राप्ति है। जो लोग चरम उद्देश्य को नहीं जानते, वे ही कहते हैं कि सांख्य और कर्मयोग एक नहीं है। किंतु जो विद्वान है, वह जानता है कि इन दोनों भिन्न विधियों का उद्देश्य एक है। दार्शनिक शोध (सांख्य) का वास्तविक उद्देश्य जीवन के चरम लक्ष्य की खोज है। चूंकि जीवन का चरम लक्ष्य आत्म-साक्षात्कार है, अतः दोनों विधियों से प्राप्त होने वाले परिणामों में कोई अन्तर नहीं है। वस्तुतः जो पदार्थ से विरक्ति व कृष्ण में आसक्ति को एक तरह देखता है, वही वस्तुओं को यथारूप में देखता है।

मायावादी संन्यासी सांख्य दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं तथा वैष्णव संन्यासी वेदान्त सूत्रों के यथार्थ भाष्य भागवत दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं। वैष्णव संन्यासियों को भौतिक कार्य से कोई सरोकार नहीं रहता, तो भी वे भगवान की भक्ति में नाना प्रकार के कार्य करते हैं। किन्तु मायावादी संन्यासी, जो सांख्य तथा वेदान्त के अध्ययन व चिन्तन में लगे रहते हैं, भगवान की दिव्य भक्ति का आनन्द नहीं उठा पाते। उनका अध्ययन अत्यन्त जटिल हो जाता है, अतः वे कभी-कभी ब्र चिन्तन से ऊबकर समुचित बोध बिना ही भागवत की शरण ग्रहण करते हैं। मायावादी संन्यासी कभी-कभी आत्म-साक्षात्कार के पथ से नीचे गिर जाते हैं और फिर से समाजसेवा, परोपकार जैसे भौतिक कर्म में प्रवृत्त होते हैं।

शिबू सोरेन :'संथाल हूल' के विस्तार की से राजनीतिक शुरूआत

सुधीर पाल

सन् 1855 में जब सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, और फुलो-झानो ने 'दामिन-ए-कोह' की धरती पर अंग्रेजी राज, महाजनों और जमींदारों के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंका, तो वह सिर्फ हथियारबंद विद्रोह नहीं था, वह एक नई शासन व्यवस्था की माँग थी–जिसमें आदिवासी समाज अपने तरीके से जी सके, अपने नियम बना सके और अपनी जमीन, जंगल और संस्कृति की रक्षा कर सके।

इसी विचार की एक और कड़ी शिबू सोरेन की चेतना में दिखाई देती थी। शिबू सोरेन का प्रारंभिक संघर्ष भी बिल्कुल वैसा ही था जैसा संथाल विद्रोह का – महाजनों के खिलाफ, जमींदारों के शोषण के खिलाफ, और पुलिसिया अत्याचारों के विरुद्ध। उन्होंने 'धान काटो आंदोलन', जंगल में समाज सुधार सभाएं, शराबबंदी अभियान, बाल विवाह विरोधी आंदोलन जैसे सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम चलाए। शुरूआत में उनका आंदोलन उग्र था – हिंसा भी हुई, पुलिस से टकराव हुआ। लेकिन फिर के.बी. सक्सेना जैसे अधिकारियों के हस्तक्षेप और शिबू सोरेन की वैचारिक परिपक्वता के कारण यह आंदोलन लोकतांत्रिक दिशा में मुड़ा।

जहाँ संथाल विद्रोह में राजा की जगह आदिवासी ग्राम प्रमुख की कल्पना थी, वहीं शिबू सोरेन के आंदोलन में भी गांवों की संप्रभुता की मांग थी। जहाँ संथाल विद्रोह में हूल था, वहाँ शिबू सोरेन के आंदोलन में हुंकार थी–लेकिन उद्देश्य एक था-हम अपनी जमीन, जंगल और आत्मा पर किसी बाहरी सत्ता को स्वीकार नहीं करेंगे।

शिबू सोरेन सिर्फ एक नेता नहीं हैं, वे उस क्रांति का नाम हैं, जो जमीन की गंध से उठी थी और संसद तक पहुंची। जब भारत की राजनीति में हाशिए पर खड़े समुदायों की बात होती है, तो झारखंड के आदिवासियों की पीड़ा और प्रतिरोध की गाथा में एक नाम सबसे पहले उभरता है–शिबू सोरेन। वे सिर्फ एक राजनेता नहीं, बल्कि झारखंड के जनांदोलन के प्रतीक हैं। उनका जीवन, उनके विचार और उनके संघर्ष आदिवासी अस्मिता, जमीन, जंगल और जल की रक्षा के लिए खड़े हुए उस विराट आंदोलन का हिस्सा है, जिसने एक राज्य को जन्म दिया और हाशिए पर खड़े लोगों को आवाज दी।

एक समय नक्सली, फिर जन नेता

शिबू सोरेन का शुरूआती जीवन एक तरह से विद्रोही राजनीति की गोद में पला। उन्होंने जमींदारी, महाजनी और बाहरी तत्वों के खिलाफ आवाज बुलंद की। उन्होंने आदिवासी किसानों को इक कर धनकुबेरों की जमीनों पर हल चलाने की मुहिम शुरू की। यह आंदोलन कई बार हिंसक भी हुआ। सरकारी दस्तावेजों में उनका नाम खतरनाक तत्वों की सूची में आ गया। पुलिस उन्हें पकड़ नहीं पा रही थी, लेकिन जनता उन्हें गुरुजी के नाम से जानने लगी थी।

कई दस्तावेज बताते हैं कि वे नक्सलपंथी विचारधारा की ओर आकर्षित थे। लेकिन तभी उनकी मुलाकात हुई–के.बी. सक्सेना जैसे ईमानदार और संवेदनशील नौकरशाह से, जो उस वक्त बिहार सरकार में पदस्थ थे और बाद में भारत सरकार में सचिव बने। सक्सेना ने शिबू से कहा–तुम्हारी लड़ाई सही है, लेकिन रास्ता गलत है। अगर तुम्हें वाकई अपने लोगों को न्याय दिलाना है, तो बंदूक नहीं, संसद का रास्ता अपनाओ।

यह सलाह शिबू के जीवन का मोड़ बनी। उन्होंने आत्मनिरीक्षण किया और फैसला किया कि वे बंदूक की जगह वोट की ताकत से लड़ाई लड़ेंगे।

हूल बनाम हुंकारः दो युग, एक चेतना

जब भारत के आदिवासी आंदोलनों का इतिहास लिखा जाएगा, तो उसमें दो प्रमुख मोड़ हमेशा उभर कर सामने आएंगे,पहला, 1855 का संथाल विद्रोह और दूसरा, 1970-2000 के झारखंड आंदोलन का उत्कर्ष, जिसका नेतृत्व शिबू सोरेन ने किया। इन दोनों संघर्षों के समय, परिप्रेक्ष्य और रणनीतियाँ भिन्न हो सकती हैं लेकिन मूल चेतना, उद्देश्य और अस्मिता की रक्षा की भावना एक ही थी।

संथाल हूल तत्कालीन ब्रिटिश राज, महाजनी शोषण और जमींदारी व्यवस्था के खिलाफ आदिवासी समाज की पहली संगठित प्रतिक्रिया थी। संथालों को उनकी जमीन से बेदखल किया जा रहा था, उन पर टैक्स थोपा जा रहा था, और महाजन उन्हें सूदखोरी के जाल में फंसा रहे थे। यह केवल अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह नहीं था, बल्कि एक समांतर शासन व्यवस्था की स्थापना का प्रयास भी था। सिदो-कान्हू ने घोषणा की थी कि अब वे ब्रिटिश राज से स्वतंत्र हैं, और संथाल क्षेत्र अब उनके अपने पारंपरिक प्रमुखों के नियंत्रण में रहेगा। उन्होंने ग्रामसभाओं की बैठकें और सामूहिक निर्णय प्रणाली को सक्रिय किया यानी एक वैकल्पिक, लोक-आधारित शासन मॉडल। हूल का प्रमुख लक्ष्य था जमीन की रक्षा। महाजनी और जमींदारी शोषण का प्रतिरोध और सांस्कृतिक और सामाजिक ढांचे की पुनः स्थापना। संथाल विद्रोह ने एक परंपरागत गणराज्य की कल्पना की थी। शिबू सोरेन ने ग्राम सभा की सर्वोच्चता, पेसा अधिनियम, और जनजातीय स्वशासन की धारणा को संवैधानिक पहचान दिलाने का प्रयास किया।

1970 के दशक में शिबू सोरेन के नेतृत्व में झारखंड आंदोलन ने रफ्तार पकड़ी। इस आंदोलन का उद्देश्य था–अलग झारखंड राज्य की स्थापना, ताकि आदिवासी बहुल इलाकों को उनकी सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान मिल सके। 1972 में एके राय और बिनोद बिहार महतो के साथ मिलकर उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की स्थापना की। यह पार्टी आदिवासियों की आवाज बनी। शिबू सोरेन ने जेएमएम के बैनर तले भूमि सुधार, वन अधिकार, और आदिवासी स्वशासन की माँग को लेकर आंदोलन चलाया। उनका आंदोलन सिर्फ भाषण नहीं था, वह आम जनता की चेतना का आंदोलन था। ग्रामीण क्षेत्रों में वह घर-घर जाकर लोगों को जगाते, बैठकें करते, और गीतों के जरिए लोगों को एकजुट करते। आदिवासी डोंग जैसे परंपरागत वाद्य यंत्रों की ध्वनि और शिबू के नारों की गूंज मिलती तो जंगल भी गवाह बन जाते।

जमीन और खनिज पर हक हूल और हुंकार दोनों के संघर्ष का केंद्र विंदु रहा। संथालों ने जमीन के लिए जान दी। संथाल हूल ने अस्मिता को जमीन से जोड़ा था। शिबू सोरेन ने संविधान के माध्यम से यही बात दोहराई–जंगल, जल, जमीन पर पहला हक आदिवासी का है। 1855 में संथालों की जमीन हड़पी जा रही थी। 1970 के बाद झारखंड में खनिज लूट के नाम पर जमीन अधिग्रहण, वन भूमि पर कब्जा, और विस्थापन की प्रक्रिया तेज हो गई। शिबू सोरेन ने कहा–झारखंड का खनिज झारखंडी का होना चाहिए। भूमि अधिग्रहण, खनिज लीज और विस्थापन के मुद्दे दोनों कालखंडों में प्रासंगिक रहे। शिबू सोरेन के आंदोलन ने भी आदिवासी भाषा, लिपि, रीति-नीति को सरकारी मान्यता दिलाने का प्रयास किया। शिबू सोरेन का आंदोलन इसके खिलाफ जनाधिकार का प्रतीक बना।

एक विद्रोही की जन्मकथा

शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को बिहार (अब झारखंड) के हजारीबाग (अभी रामगढ़) जिले के नेमरा गाँव में हुआ था। उनके पिता सोबन सोरेन को महाजनों ने पीट-पीट कर मार डाला, क्योंकि उन्होंने बगैर ब्याज के ऋण लौटाने का साहस किया था। यह घटना शिबू के भीतर गुस्से की ऐसी आग भर गई, जो आगे चलकर जन आंदोलन की चिंगारी बन गई।

यहीं से उनकी चेतना का रूपांतरण हुआ–एक बालक जो खेती करता था, जो जंगलों में महुआ बीनता था, धीरे-धीरे एक सामाजिक कार्यकर्ता और फिर विद्रोही बन गया। उस समय संथाल परगना और आसपास के इलाकों में महाजन और जमींदार आदिवासियों का शोषण कर रहे थे। जमीनों पर कब्जा हो रहा था, और आदिवासी अपने ही जंगल में परदेसी बनते जा रहे थे।

संघर्ष से सत्ता तक

शिबू सोरेन ने 1980 में पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। उन्होंने दुमका से लोकसभा सांसद बनकर संसद में प्रवेश किया। यह एक ऐतिहासिक क्षण था–एक ऐसा व्यक्ति जो कभी सरकारी फाइलों में अपराधी लिखा जाता था, अब संसद में अपनी जनता की बात रखने वाला जननायक बन गया। इसके बाद 1989, 1991, 1996, 2002, 2004 और 2009 में भी वे सांसद बने। केंद्र सरकारों में उन्हें कोयला मंत्री और जनजातीय मामलों के मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद मिले। उनके प्रयासों से कई जनजातीय क्षेत्रों में योजनाएं लागू हुईं, स्कूल खुले, सड़कें बनीं और वन अधिकार कानून की दिशा में भी माहौल बना। लेकिन उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि थी–झारखंड राज्य का निर्माण।

'निसार' : वैश्विक चेतना का उपग्रह

योगेश कुमार गोयल

श्री हरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 30 जुलाई की शाम जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट के माध्यम से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित 'निसार' (नासा-इसरो सिंथेटिक अपरचर रडार) उपग्रह को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया। यह उपग्रह न केवल एक तकनीकी चमत्कार है, बल्कि विज्ञान, शोध, वैश्विक सहयोग और मानवीय प्रतिबद्धता का युगांतकारी प्रतीक भी है। 'निसार' को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में 747 किमी. की ऊंचाई पर स्थापित किया गया है, जहां से यह अगले तीन से पांच वर्षों तक निरंतर पृथ्वी की निगरानी करेगा और प्रत्येक 12 दिन में पूरी पृथ्वी का स्कैन करेगा तथा एक बार में 240 किमी. क्षेत्र को कवर करने की अद्वितीय क्षमता रखता है। इस उपग्रह को धरती की गहराइयों और उसकी सतह पर होने वाले बदलावों की सटीक, विस्तृत और सतत निगरानी करने के लिए डिजाइन किया गया है। 'निसार' इसरो और नासा के दस वर्षों के संयुक्त परिश्रम का परिणाम है। 'निसार' उपग्रह की दो प्रमुख विशेषताएं (एल-बैंड और एस-बैंड की दोहरी रडार प्रणाली तथा स्वीपएसएआर तकनीक) इसे अत्याधुनिक उपग्रहों की श्रेणी में खड़ा करती हैं। इस उपग्रह के एल-बैंड रडार को नासा ने विकसित किया है, जो 1.25 गीगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी और 24 सेमी तरंगदैर्ध्य पर काम करता है। यह रडार बर्फ, घने जंगलों और धरती की गहराई में होने वाले परिवर्तनों को मापने में सक्षम है। वहीं इसरो द्वारा विकसित एस-बैंड रडार 3.2 गीगाहर्ट्ज की फ्रीक्वेंसी और 9.3 सेमी तरंगदैर्ध्य पर कार्य करता है, जो सतह पर होने वाली सूक्ष्मतम हलचल को भी दर्ज कर सकता है। इस प्रकार 'निसार' का यह दोहरा रडार सिस्टम भूगर्भीय घटनाओं, प्राकृतिक आपदाओं, वनस्पति परिवर्तनों, कृषि गतिविधियों और मानवजनित प्रभावों की निगरानी के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगा। यह उपग्रह दिन-रात, किसी भी मौसम में, बादलों, अंधकार या घने जंगलों की परवाह किए बिना सतत डेटा एकत्रित करता रहेगा। इसका रिजॉल्यूशन 5 से 10 मीटर के बीच होगा जिससे बड़े क्षेत्र में बहुत सूक्ष्म परिवर्तन भी पकड़ में आएंगे। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन के अनुसार, 'निसार' से मिलने वाला डेटा न केवल भारत और अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया के लिए अमूल्य होगा। उपग्रह प्रति दिन लगभग 80 टेराबाइट डेटा जनरेट करेगा जिसे पूरी तरह ओपन-सोर्स के रूप में मुफ्त में साझा किया जाएगा। इसका लाभ वैज्ञानिकों, शोधकताओं, नीति-निमार्ताओं, किसानों और आपदा प्रबंधन एजेंसियों को समान रूप से मिलेगा। 'निसार' से संबंधित डेटा कृषि के लिए भी उपयोगी होगा। यह उपग्रह फसलों की वृद्धि, मिट्टी की नमी, मौसमी प्रभाव, रोग और कीट आक्रमण, और संभावित नुकसान का पूवार्नुमान लगाने में सहायक सिद्ध होगा। इसके माध्यम से सरकारें कृषि बीमा योजनाओं को अधिक वैज्ञानिक, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से लागू कर सकेंगी। पर्यावरणीय क्षेत्र में 'निसार' जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की सटीक जानकारी प्रदान करेगा। यह समुद्र स्तर में वृद्धि, बर्फ पिघलने, तटीय कटाव, वनस्पति आवरण में परिवर्तन और भूजल स्तर की निगरानी करेगा। इससे पारिस्थितिक तंत्र की स्थिरता, जैव-विविधता संरक्षण, वनों की स्थिति और मानवजनित प्रभावों का अध्ययन किया जा सकेगा। आपदा प्रबंधन की दृष्टि से भी यह उपग्रह क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। इसके जरिए भूकंप, भूस्खलन, ज्वालामुखी विस्फोट, सुनामी जैसी आपदाओं के प्रारंभिक संकेतों को पहचाना जा सकेगा जिससे समय रहते चेतावनी देकर जान-माल की हानि को कम किया जा सकेगा। भारत और अमेरिका की साझेदारी ने दिखा दिया है कि जब दो राष्ट्र साझा उद्देश्य, पारदर्शिता और वैज्ञानिक उत्कंठा के साथ एकजुट होते हैं, तब विश्व को अभूतपूर्व उपलब्धियां मिलती हैं। 'निसार' के माध्यम से भारत और अमेरिका पूरे ग्रह को एक साथ देखना, समझना और संरक्षित करना सीख रहे हैं। यह मिशन मानवता के भविष्य की रक्षा, पर्यावरण संतुलन के पुनर्निर्माण और पृथ्वी की बदलती धड़कनों को जानने की दिशा में उठाया गया निर्णायक कदम है। यह उपग्रह वैज्ञानिक शोध एवं नवाचार को नई दिशा देने के साथ-साथ नई पीढ़ी को पृथ्वी और पर्यावरण के प्रति अधिक सजग बनाने में भी मदद करेगा। 'निसार' के माध्यम से विश्व को ऐसा शक्तिशाली उपकरण प्राप्त हुआ है, जो धरती की सतह, उसकी परतों, संसाधनों और संकटों को जानने की हमारी क्षमता को व्यापक और सटीक बनाएगा। यह केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि मानवीय चेतना का विस्तार है, ऐसा वैज्ञानिक यंत्र, जो हमारी पृथ्वी की नब्ज को सुन सकेगा और समय रहते बदलावों के प्रति हमें सचेत करेगा। इसीलिए 'निसार' को 'वैश्विक चेतना का उपग्रह' कहा जाना उपयुक्त होगा।

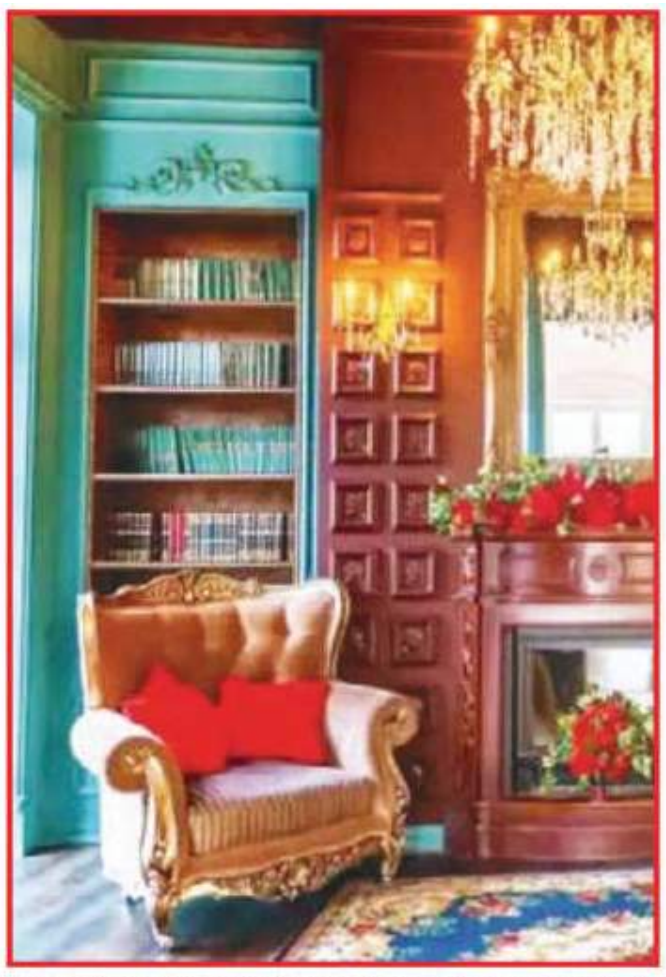

कैसे बनाएं अपने लिविंग रूम को खूबसूरत और हटके? ट्राई करें ये बेहतरीन प्रोडक्ट्स

घर का सबसे अहम हिस्सा लिविंग रूम होता है क्योंकि यहीं मेहमानों का स्वागत होता है, परिवार के साथ अच्छा समय बिताया जाता है और यही वो जगह है जो आपके पूरे घर की पहली छाप छोड़ती है।

घर का सबसे अहम हिस्सा लिविंग रूम होता है क्योंकि यहीं मेहमानों का स्वागत होता है, परिवार के साथ अच्छा समय बिताया जाता है और यही वो जगह है जो आपके पूरे घर की पहली छाप छोड़ती है। लेकिन क्या आपका लिविंग रूम अब बोरिंग और पुराना हो गया है? क्या आपको भी लगता है कि इस जगह को थोड़ा नयापन चाहिए, वो भी बिना ज़्यादा खर्च किए? अगर हाँ, तो आपको बस अपनी सजावट में थोड़ा क्रिएटिव टच जोड़ने की जरूरत है। आइए जानते हैं कुछ बेहतरीन और आसान डेकोरेशन टिप्स जो आपके लिविंग रूम की खूबसूरती बढ़ा देंगे।

दीवारों को सजाएँ

दीवारें किसी भी कमरे का मूड सेट करती हैं। आप अपने लिविंग रूम की दीवारों को हल्के पेस्टल शेड्स से पेंट कर सकते हैं या वॉलपेपर लगा सकते हैं। आजकल ट्रेंडी वॉल आर्ट भी काफी पसंद किए जा रहे हैं।

कुशन और पर्दों से मूड बदलें

लिविंग रूम में सोफ़े या कुर्सी का लुक बदलना मुश्किल हो सकता है, लेकिन आप कुशन कवर और पर्दों को बदलकर पूरे कमरे का लुक आसानी से बदल सकते हैं। चटख, कॉन्ट्रास्टिंग रंगों और पैटर्न वाले कपड़ों का इस्तेमाल करें। मौसम के हिसाब से कपड़े चुनें, गर्मियों में सूती और सर्दियों में मखमल या रेशमी।

पौधे लगा सकते हैं

पौधे न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि आपके घर को एक प्राकृतिक और ताज़ा रूप भी देते हैं। स्नेक प्लांट, मनी प्लांट या एरेका पाम जैसे इनडोर पौधे आपके लिविंग रूम को सुंदर और शांत बना सकते हैं। कोने की मेज या खिड़की पर छोटे पौधे सजाएँ।

प्रकाश व्यवस्था का सर्वोत्तम उपयोग करें

सिर्फ़ अच्छी रोशनी ही लिविंग रूम के रूप को निखार सकती है। हल्की पीली लाइटें, फ्लोर लैंप या फेयरी लाइटें कमरे को आरामदायक और आकर्षक बना सकती हैं। सेंटर लाइट के साथ कुछ साइड लैंप भी लगाएँ।

एक्सेसरीज़ से जोड़ें अपना निजी स्पर्श

फोटो फ्रेम, कैंडल स्टैंड, बुक शेल्फ़ या हाथ से बनी कलाकृतियाँ, ये सभी आपके लिविंग रूम को अनोखा और आपके व्यक्तित्व के अनुरूप बना सकते हैं।

लिविंग रूम को नया रूप देना कोई महंगा या मुश्किल काम नहीं है। बस थोड़ी सी रचनात्मक सोच, कुछ किफायती सजावट के आइडिया और सही संयोजन से, आप अपने लिविंग रूम को स्टाइलिश, सुंदर और खास बना सकते हैं। तो देर किस बात की? इन सुझावों को आज़माएँ और अपने घर को एक नया और ताज़ा एहसास दें।

घर हमेशा दिखता है बिखरा और गंदा? ऑर्गेनाइज करने के लिए फॉलो करें 7 टिप्स, लाइफ बनेगी आसान

आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में साफ-सुथरे और ऑर्गेनाइज्ड घर की चाहत तो सबको होती है, लेकिन समय की कमी, थकान और दिनभर के तनाव के बीच अक्सर घर बिखरा हुआ और अस्त-व्यस्त नजर आता है। चाहे आप गृहिणी हों, ऑफिस जाने वाले प्रोफेशनल या स्टूडेंट — गंदा और बिखरा घर मानसिक शांति को भी प्रभावित करता है। साइकोलॉजिकल स्टडीज़ भी बताती हैं कि साफ और व्यवस्थित घर में रहने वाले लोग अधिक फोकस्ड और मानसिक रूप से शांत रहते हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम कुछ आसान आदतों और स्मार्ट टिप्स को अपनाकर अपने घर को साफ और ऑर्गेनाइज रख सकें। यहां हम आपको बता रहे हैं 7 आसान और कारगर टिप्स, जिन्हें फॉलो करके न सिर्फ आपका घर हमेशा चमकता रहेगा, बल्कि आपकी लाइफ भी बेहतर और आसान बन जाएगी।

1. हर चीज़ की तय जगह बनाएं

घर में जितनी चीजें हैं, अगर उनकी एक फिक्स जगह तय हो जाए तो आधा काम वहीं खत्म हो जाता है। चाबियों के लिए की-होल्डर, रिमोट्स के लिए बॉक्स और जूतों के लिए शू-रैक जैसे साधारण उपाय घर को ऑर्गेनाइज रखने में मदद करते हैं।

2. वन इन, वन आउटफ्न रूल अपनाएं

जब भी कोई नई चीज़ घर लाएं, तो एक पुरानी या अनुपयोगी चीज़ को बाहर निकाल दें। इससे फालतू सामान जमा नहीं होगा और घर में जगह भी बनी रहेगी।

3. 10 मिनट क्लीनिंग रूटीन

हर दिन सिर्फ 10 मिनट का समय घर की सफाई को दें। आप चाहें तो सुबह उठते ही या रात सोने से पहले ये कर सकते हैं। इससे गंदगी जमा नहीं होगी और सफाई एक बोझ की तरह महसूस नहीं होगी।

4. स्मार्ट स्टोरेज का करें इस्तेमाल

बाजार में आजकल स्टोरेज बॉक्स, प्लास्टिक कंटेनर और ऑर्गेनाइज़र डिवाइडर उपलब्ध हैं। इनका इस्तेमाल करके आप कपड़ों, बर्तनों, किताबों या बच्चों के खिलौनों को अच्छी तरह जमा सकते हैं।

5. साप्ताहिक %डिक्लटर डे%

हफ्ते में एक दिन ऐसा रखें जब आप घर की अनावश्यक चीजों की छंटाई करें। पुराने अखबार, खराब इलेक्ट्रॉनिक्स या बेकार कपड़े - जो भी जरूरी नहीं है, उसे अलग करें।

6. रात में 5 मिनट का राउंड

सोने से पहले घर का एक चक्कर लगाएं और देखें कि कौन सी चीज़ अपनी जगह से हट गई है। उन्हें वापस रख दें। इससे सुबह उठने पर घर साफ मिलेगा और दिन की शुरुआत बेहतर होगी।

7. नो डंप ज़ोनफ्न बनाएं

ऐसे स्थान तय करें जहां कोई भी चीज़ बिना सोचे-समझे न रखी जाए, जैसे डाइनिंग टेबल, सेंटर टेबल या एंट्रेंस एरिया। यह आदत आपके घर की सुंदरता बनाए रखेगी।

नया घर बनाते समय इन बातों का जरूर रखें ध्यान वरना उठाना पड़ेगा भारी नुकसान

दुनिया भर में लोग अपने घर में खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाने के लिए अलग-अलग मान्यताओं का पालन करते हैं। इन सभी का उद्देश्य घर में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना है।

दुनिया भर में लोग अपने घर में खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाने के लिए अलग-अलग मान्यताओं का पालन करते हैं। इन सभी का उद्देश्य घर में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना है। जब आप घर बनवा रहे होते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है ताकि वह रहने के लिए एक अच्छा और सुखद स्थान बन जाए। क्योंकि घर रोज-रोज नहीं बनता, इसलिए घर बनवाते समय वास्तु का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में सकारात्मक ऊर्जा लाने के लिए कुछ नियमों का पालन किया जाता है। इससे घर में रहने वाले लोगों की खुशियां और तरक्की बढ़ती है। वास्तु शास्त्री अंशुल त्रिपाठी बता रहे हैं कि घर बनवाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

भूमि पूजन घर बनवाने से पहले भूमि पूजन करना बहुत शुभ माना जाता है। धरती को मां माना जाता है, इसलिए घर बनवाते समय खुदाई शुरू करने से पहले उसका सम्मान करना जरूरी होता है। इसे शुभ शुरुआत माना जाता है और इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है।

कुआं

घर बनवाते समय उत्तर-पूर्व दिशा में कुआं खोदें और उसी पानी का इस्तेमाल घर बनवाने में करें। इससे सौभाग्य की प्राप्ति होती है। दक्षिण-पश्चिम दिशा में कुआं बनवाना अशुभ माना जाता है, इससे घर में परेशानी आ सकती है।

दरवाजा

दक्षिण-पश्चिम दिशा में कोई दरवाजा नहीं होना चाहिए। उत्तर या पूर्व दिशा में दरवाजा शुभ माना जाता है। दरवाजे अंदर की ओर खुलने चाहिए, ताकि घर में सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करे। बाहर की ओर खुलने वाले दरवाजे से सकारात्मक ऊर्जा बाहर की ओर प्रवाहित होती है।

पानी की निकासी

घर का गंदा पानी भी उत्तर-पूर्व दिशा में ही निकलना चाहिए।

पुराना घर खरीदते समय

अगर आप पुराना घर खरीद रहे हैं, या खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, तो उसे जरूर रंगवा लें। अगर आप खुद रंगवा सकते हैं या उसमें मदद कर सकते हैं, तो और भी अच्छा रहेगा। ऐसा करने से घर में कभी भी आर्थिक तंगी नहीं आएगी।

घर बनवाते समय इन बातों का रखें ध्यान

मुख्य द्वार के सामने लगे पेड़ को हटाना।

बेडरूम में पलंग को दीवार से सटाकर रखें।

रसोई में गैस चूल्हे का मुंह पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए।

मंदिर घर के उत्तर-पूर्व कोने में होना चाहिए।

वास्तु शास्त्र का हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

घर का लेआउट और व्यवस्था हमारे स्वास्थ्य और खुशी को प्रभावित कर सकती है।

हमेशा बिखरी हुई रहती है अलमारी, इन 5 तरीकों से रखें ऑर्गेनाइज नहीं होगी कपड़े ढूंढने में तकलीफ

क्या आपकी अलमारी हर बार खोलते ही बिखर जाती है? क्या कपड़े ढूँढ़ना एक मुश्किल काम बन गया है और बार-बार व्यवस्थित करने के बावजूद सब कुछ उलझा हुआ सा लगता है?

क्या आपकी अलमारी हर बार खोलते ही बिखर जाती है? क्या कपड़े ढूँढ़ना एक मुश्किल काम बन गया है और बार-बार व्यवस्थित करने के बावजूद सब कुछ उलझा हुआ सा लगता है? दरअसल, हम अनजाने में कुछ ऐसी गलतियाँ कर देते हैं जिनकी वजह से हमारी अलमारी हमेशा अव्यवस्थित रहती है। लेकिन अगर आप चाहें, तो छोटे-छोटे बदलावों से अलमारी को पूरी तरह साफ़, सुथरा और व्यवस्थित बना सकते हैं, तो आइए जानते हैं कि आप अपनी अलमारी को कैसे व्यवस्थित कर सकते हैं ताकि आपके कपड़े व्यवस्थित और व्यवस्थित रहें।

पुराने और टाइट कपड़े हटाएँ

कई बार हम अलमारी में ऐसे कपड़े रख देते हैं जो अब हमें फिट नहीं आते या जिन्हें हमने पहनना बंद कर दिया है। ये कपड़े न सिर्फ़ जगह घेरते हैं बल्कि ज़रूरत के कपड़े ढूँढ़ना भी मुश्किल बना देते हैं। अगर आपके पास भी ऐसे कपड़े हैं, तो समय-समय पर उन्हें व्यवस्थित करना जरूरी है।

व्यवस्था प्रणाली अपनाएँ

जब अलमारी में कपड़ों को व्यवस्थित तरीके से रखने या रोज़मर्रा के कपड़ों को एक साथ रखने जैसी कोई व्यवस्था नहीं होती, तो चीज़ें जल्दी बिखर जाती हैं। अगर आप अपने कपड़ों को रोज़ाना सही और व्यवस्थित तरीके से रखें, तो चीज़ें आसानी से बिखर सकती हैं।

गलत हैंगर का इस्तेमाल

कई लोग भारी जैकेट या कोट के लिए कमजोर प्लास्टिक के हैंगर इस्तेमाल करते हैं जिससे कपड़े गिर जाते हैं या खराब हो जाते हैं। हर कपड़े के लिए सही हैंगर का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है ताकि कपड़े अपनी शेप में रहें और अलमारी साफ़-सुथरी दिखे। इसलिए भारी कपड़ों के लिए अलग और हल्के कपड़ों के लिए अलग हैंगर रखें।

अलमारी में जगह कम होना

कई लोगों की अलमारी में जगह कम होती है और अगर कपड़े ज़्यादा हों, तो उनका बिखरना स्वाभाविक है। ऐसे में शेल्फ डिवाइडर, स्टोरेज बॉक्स या मल्टी-लेयर हैंगर जैसे स्मार्ट स्टोरेज उपाय मददगार हो सकते हैं। ऐसा करने से कम जगह में ज़्यादा चीज़ें आ सकती हैं।

गलत तरीके से तह किए हुए कपड़े

कई बार कपड़ों को गलत तरीके से तह करने से चीज़ें खराब हो जाती हैं और अलमारी अव्यवस्थित लगती है। सही तह करने की तकनीक अपनाकर और उन्हें श्रेणी के अनुसार व्यवस्थित करके, आप जगह भी बचा सकते हैं और अलमारी को साफ़ भी रख सकते हैं।

कम बजट में घर को दें इंस्टाग्राम जैसा एस्थेटिक लुक, ये चीजें करेंगी कमाल

आजकल सोशल मीडिया पर खासकर इंस्टाग्राम पर कई ऐसे खूबसूरत रूम डेकोरेशन रील्स दिखती हैं जिन्हें देखकर मन करता है कि काश हमारा घर भी ऐसा ही स्टाइलिश और क्लासी होता। लेकिन हर कोई महंगे इंटीरियर पर खर्च नहीं कर सकता। ऐसे में अगर आप भी अपने आशियाने को नया लुक देना चाहते हैं तो परेशान न हों। कुछ सिंपल और किफायती चीजों से आप अपने घर को भी इंस्टाग्राम-लायक बना सकते हैं। आइए जानें कुछ आसान, सुंदर और बजट-फ्रेंडली आइडियाज।

घर को एलिगेंट लुक देने वाले इनडोर प्लांट्स

बड़े साइज के पौधे घर में एक अलग ही ताजगी और खूबसूरती लेकर आते हैं। आप एरेका पाम या स्नेक प्लांट जैसे पौधे लगा सकते हैं, जो दिखने में स्टाइलिश होते हैं और हवा को भी शुद्ध करते हैं। इनका रख-रखाव भी आसान है और ये ज्यादा महंगे भी नहीं होते।

लाइट कलर के पर्दों से बदलें कमरों का माहौल

पर्दों का रंग और फैब्रिक पूरे कमरे की फील को बदल सकता है। अगर आप अपने रूम को बड़ा, खुला और शांत दिखाना चाहते हैं तो व्हाइट, बेबी पिंक या बेज कलर के हल्के पर्दे लगाएं। ये रंग कमरे को आरामदायक और क्लासी लुक देते हैं।

फेयरी लाइट्स से लाएं रोशनी में जादू

हल्के रंग के पर्दों के साथ अगर आप फेयरी लाइट्स जोड़ देंगे तो आपका कमरा शाम के समय किसी मूवी सीन जैसा लगेगा। ये लाइट्स सॉफ्ट और वॉर्म इफेक्ट देती हैं, जिससे रूम और भी ज्यादा एस्थेटिक नजर आता है।

स्टैंडिंग लैम्प से बढ़ाएं रॉयल टच

अगर आप कमरे में मॉडर्न लुक लाना चाहते हैं तो एक अच्छा स्टैंडिंग लैम्प जरूर लगाएं। ये न सिर्फ लाइटिंग को बेहतर बनाता है बल्कि कमरे की शोभा भी बढ़ाता है। अगर आप किताबें पढ़ते हैं या घर से काम करते हैं, तो ये बेहद काम की चीज है।

वॉल आर्ट और फोटो फ्रेम से दीवारों को सजाएं

खाली दीवारें अक्सर उबाऊ लगती हैं। आप चाहें तो मोटिवेशनल कोट्स, सिंपल वॉल आर्ट या फिर अपनी यादों से भरे फोटो फ्रेम्स दीवारों पर लगा सकते हैं। इससे घर में पर्सनल टच आता है और हर दीवार एक कहानी कहने लगती है।

अरोमा डिफ्यूजर और कैंडल्स से महकाएं कमरा

कमरे की खुशबू उसका माहौल बदल सकती है। एक अच्छा अरोमा डिफ्यूजर आपके रूम को महकाने के साथ-साथ मन को भी शांत करता है। आप चाहें तो लैवेंडर, लेमन ग्रास या रोज फ्लेवर की कैंडल्स भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे कमरे में सुकून का एहसास होगा।

आपको अपने घर को खूबसूरत बनाने के लिए हजारों रुपये खर्च करने की जरूरत नहीं है। सिर्फ कुछ छोटे बदलाव और बजट-फ्रेंडली चीजों से भी आपका घर बिल्कुल इंस्टाग्राम जैसा दिख सकता है - क्लासी, शांत और आपके दिल के बेहद करीब।

'कांतारा 2' की रिलीज से पहले ऋषभ की आगामी फिल्म का एलान, योद्धा की भूमिका में दिखेंगे अभिनेता

अश्विन गंगाराजू के निर्देशन में बन रही आगामी ऐतिहासिक-एक्शन ड्रामा फिल्म में ऋषभ शेट्टी शानदार किरदार में नजर आने वाले हैं। इसकी घोषणा खुद मेकर्स ने आज 30 जुलाई को फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए किया है। इस पोस्टर ने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर एक अलग रोमांच पैदा कर दिया है।

फिल्म निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर ऋषभ शेट्टी की आगामी फिल्म का एक पोस्टर रिलीज किया है, जिसके टाइटल की घोषणा अभी नहीं की है। इसमें देखा जा सकता है कि एक योद्धा चेहरे पर कपड़ा बांधे और पीठ पर दो तलवारें लिए हुए दिखाई दे रहा। साथ ही हजारों संख्या में सैनिक रणभूमि में युद्ध करने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा उन सैनिकों का सामना करने के लिए एक तोप और कई बंदूकें दिखाई दे रही हैं। पोस्ट के कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, 'सभी विद्रोही युद्ध में नहीं गढ़े जाते। कुछ को भाग्य द्वारा चुना जाता है और यह एक विद्रोही की कहानी है।' इसके आगे मेकर्स ने लिखा उन्हें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि इस प्रोडक्शन की 36वीं फिल्म का हिस्सा शानदार अभिनेता ऋषभ शेट्टी होंगे।

दो भाषाओं में शूट होगी फिल्म

ऋषभ शेट्टी अभिनीत इस आगामी फिल्म का निर्माण सितारा एंटरटेनमेंट बैनर के तले किया जाएगा। इसके साथ ही फिल्म को तेलुगु और कन्नड़ दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जाएगा और मेकर्स इसे तेलुगु, तमिल, कन्नड़, हिंदी और मलयालम सहित कई भाषाओं में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। अश्विन गंगाराजू द्वारा निर्देशित इस फिल्म की कहानी 18वीं सदी के बंगाल की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी।

ऋषभ शेट्टी का वर्कफ्रंट

ऋषभ शेट्टी की फिल्मों की बात करें, तो अभिनेता इस समय अपनी आगामी फिल्म कांतारा चैप्टर 1 की तैयारियों में व्यस्त हैं, जो जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को थिएटर्स में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन खुद ऋषभ शेट्टी ने ही किया है। वहीं इस फिल्म का निर्माण विजय किरागांदुर द्वारा किया जा रहा है और इसे होमबेल फिल्म्स का सहयोग प्राप्त है।

फिजियोथेरेपिस्ट से एक्ट्रेस बनीं हैं आकांक्षा सिंह

फिल्मों और टीवी की चकाचौंध से भरी दुनिया में नाम कमाना आसान नहीं होता है। अगर कोई इंसान एक नहीं, बल्कि दो अलग-अलग क्षेत्रों में कामयाबी पाए, तो वह वाकई खास होता है। अभिनेत्री आकांक्षा सिंह ऐसी ही एक मिसाल हैं। आज वह एक जानी-मानी अभिनेत्री हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनय में सफलता पाने से पहले आकांक्षा एक प्रशिक्षित फिजियोथेरेपिस्ट रही हैं। उनकी मां खुद एक थिएटर कलाकार थीं, जिससे घर का माहौल कला से जुड़ा था। यही वजह रही कि आकांक्षा को बचपन से ही मंच और अभिनय से लगाव हो गया। उन्होंने पहले पढ़ाई पर ध्यान दिया और फिजियोथेरेपी में डिग्री हासिल की। इस पढ़ाई के दौरान उन्होंने शरीर, इलाज और देखभाल के बारे में गहराई से सीखा। इस दौरान उन्होंने थिएटर करना जारी रखा। साल 2012 में उन्हें टीवी शो ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा का ऑफर मिला और इस शो के जरिए उन्होंने छोटे पर्दे की दुनिया में कदम रखा। आकांक्षा ने इस शो में दो बच्चों की मां और विधवा मेघा व्यास भटनागर का किरदार निभाया, जो भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने इस भूमिका को इतनी सादगी और गहराई से निभाया कि दर्शक उनके कायल हो गए। इस किरदार के लिए उन्हें इंडियन टेली अवार्ड्स भी मिला।

टीवी पर सफल शुरुआत के बाद, वह 2015 में होटल इंडस्ट्री पर आधारित शो गुलमोहर ग्रैंड में अनाहिता मेहता फर्नांडीज के रोल में दिखीं। इसके बाद, 2016 में बॉक्स क्रिकेट लीग में एक प्रतियोगी के रूप में शामिल हुईं और 2017 में ऐ जिंदगी के एक एपिसोड में वकील की भूमिका निभाई। आकांक्षा ने फिल्मों में भी अपनी किस्मत आजमाई। 2017 में उन्होंने हिंदी फिल्म बद्रीनाथ की दुल्हनिया से फिल्मी करियर की शुरुआत की, जिसमें वह किरण कक्कड़ के छोटे लेकिन असरदार रोल में नजर आईं। उसी साल तेलुगु फिल्म मल्ली रावा से उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। इस फिल्म में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई और उनके अभिनय को खूब सराहा गया। साल 2018 में उन्होंने नागार्जुन के साथ तेलुगु फिल्म देवदास में काम किया, जो दर्शकों को काफी पसंद आई। उसी साल वह दो शॉर्ट फिल्मों मेथी के लड्डू और कैद में भी नजर आईं। 2019 में उन्होंने कन्नड़ फिल्म पैलवान में सुदीप के साथ अभिनय किया, जो कई भाषाओं में रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की। ओटीटी पर भी आकांक्षा ने खुद को साबित किया। उन्होंने 2021 में डिज्नी प्लस हॉटस्टार की वेब सीरीज परंपरा से ओटीटी डेब्यू किया और फिर 2022 में एस्केप लाइव में एक पुलिस अफसर की भूमिका निभाई। उसी साल उन्होंने रंगबाज- डर की राजनीति और तेलुगु एंथोलॉजी मीट क्यूट में भी दमदार उपस्थिति दर्ज की। 2022 की ही फिल्म रनवे 34 में उन्होंने अजय देवगन की पत्नी समायरा खन्ना का किरदार निभाया, जो उनकी दूसरी बड़ी हिंदी फिल्म थी। आकांक्षा ने तमिल और तेलुगु की द्विभाषी फिल्म क्लैप, तमिल फिल्म वीरपांडियापुरम, और तेलुगु फिल्म सिवुडु में भी अभिनय किया। 2024 और 2025 में वह रणनीति- बालाकोट एंड बियॉन्ड, बेंच लाइफ, षष्ठीपूर्ति, और खाकी- बंगाल चैप्टर जैसी प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनीं। फिजियोथेरेपिस्ट से अभिनेत्री बनी आकांक्षा सिंह हिंदी, तेलुगु, तमिल, और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में एक भरोसेमंद चेहरा बन चुकी हैं।

अब कभी एक्टिंग नहीं करेंगे कायोज ईरानी

अभिनेता कायोज ईरानी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर में अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए जाने जाते हैं। अब उन्होंने सरजमीं से फिल्म निर्देशन में डेब्यू किया है। उन्होंने इस बात को माना है कि वह एक्टिंग के लिए नहीं बने हैं। बॉलीवुड में एक्टिंग करने के बाद कायोज ने फिल्म बनाने की तरफ अपना रुख किया। उन्होंने 2021 में वेब सीरीज अजीब दास्तान का निर्देशन किया।

कायोज ने फिल्म निर्देशन में डेब्यू किया

कायोज ने कार्तिक आर्यन की फिल्म धमाका में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया। फिल्म बनाने का अनुभव लेने के बाद कायोज ने फैसला किया कि वह अपने अनुभव का इस्तेमाल फिल्म सरजमीं में करेंगे। इसके बाद उन्होंने इस फिल्म से निर्देशन में कदम रखा। उन्होंने बताया काजोल और पृथ्वीराज ने मुझे कभी यह नहीं लगने दिया कि मैं नया निर्देशक हूं। जब भी वो सेट पर रहे उन्होंने हमें बहुत इज्जत दी। उन्होंने मुझे सुना और यह एहसास दिलाया कि मैं उनका हिस्सा हूं।

एक्टिंग नहीं करेंगे कायोज

कायोज ने यह माना कि उनका एक्टिंग की तरफ लौटने का कोई विचार नहीं है। उन्होंने कहा कि वह कैमरे के पीछे सहज महसूस करते हैं। एक्टिंग उनके लिए नहीं है। उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता कि आप हमें दोबारा एक्टिंग करते हुए देख पाएंगे क्योंकि मैं फिल्म बना रहा हूं। मैं हमेशा से यही करना चाहता था। मैं कैमरे के पीछे सहज हूं। यही मेरा मकसद था। आपको निराश करने के लिए मैं शर्मिंदा हूं। मुझे नहीं लगता कि एक्टिंग मेरे लिए है। करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर में अदाकारी करने के अलावा कायोज ने यंगिस्तान और द लीजेंड ऑफ मिशेल मिश्रा में भी अदाकारी की।

फिल्म सरजमीं के बारे में

फिल्म सरजमीं में काजोल, पृथ्वीराज सुकुमारन और इब्राहिम अली खान अहम किरदार में हैं। इसके निर्माता करण जौहर, हीरू जौहर, अपूर्व मेहता और अदार पूनावाला हैं। फिल्म धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले रिलीज हुई है। फिल्म में काजोल, पृथ्वीराज और इब्राहिम की आदाकारी की काफी तारीफ हुई है।

चुनौतीपूर्ण है 'तुम से तुम तक' में मीरा का किरदार

टीवी एक्ट्रेस डॉली चावला ने अपने नए धारावाहिक 'तुम से तुम तक' में निभाए जा रहे किरदार मीरा के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह किरदार उनके वास्तविक जीवन से बिल्कुल अलग है, जिसके कारण इसे निभाना चुनौतीपूर्ण है। डॉली ने बताया, मैं मीरा का किरदार निभा रही हूं, जो आर्या (शरद केलकर) के ऑफिस, खाने और दवाइयों सहित हर चीज का ध्यान रखती है। उसे यह पसंद नहीं कि कोई और आर्या के करीब आए या उसे महत्व दे। अब जब ऑफिस में अनु (निहारिका चौकसे) आई, तो मीरा को जलन हो रही है। वह अपने बॉस के अलावा किसी की नहीं सुनती। उन्होंने कहा, लोगों ने मेरे पिछले हर काम को पसंद किया है और मुझे उम्मीद है कि वे मीरा को भी उतना ही प्यार देंगे, भले ही वे उसके नकारात्मक किरदार को नापसंद करें। हर किरदार चुनौतीपूर्ण होना चाहिए, तभी उसे निभाने में मजा आता है। मीरा मेरे असल व्यक्तित्व से बहुत अलग है और यही इसे रोमांचक बनाता है। इस किरदार को अपनाने में समय लगा, लेकिन मैं इसे लेकर उत्साहित हूं।

डॉली ने शो को हां कहने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, जब प्रोडक्शन हाउस से कॉल आया, तो मैं बहुत उत्साहित थी। यह प्रोडक्शन हाउस मेरे लिए परिवार जैसा है। जब उन्होंने मुझे मीरा के किरदार के बारे में बताया, तो मैं खुश हो गई। यह शो सात भाषाओं में पहले से मौजूद है, इसलिए प्रदर्शन का दबाव है, लेकिन हिंदी में इसे बनाना शानदार है। 'तुम से तुम तक', आर्या और अनु के बीच उम्र के अंतर वाले प्रेम की कहानी है। प्रतीक शर्मा और पार्थ शाह के प्रोडक्शन हाउस स्टूडियो एलएसडी के बैनर तले बने इस धारावाहिक में शरद केलकर और निहारिका चौकसे मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह शो रोजाना जी टीवी पर प्रसारित होता है।

सैयारा का टाइटल ट्रैक बनाते समय डिप्रेशन में था

अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म 'सैयारा' के गाने, खासकर टाइटल ट्रैक कई म्यूजिक चार्ट में छाया हुआ है। टाइटल ट्रैक को बनाने वाले म्यूजिक कंपोजर तनिष्क बागची ने इस गाने को बनाने के पीछे की कहानी बताई है। इंटरव्यू में उन्होंने 'सैयारा' के गाने को प्रोडक्ट ऑफ पेन बताया है। तनिष्क से जब इंटरव्यू में पूछा जाता है कि क्या सबसे अच्छा गाना या म्यूजिक दर्द में बाहर आता है? जवाब में वो इस पर हामी भरते हैं। फिर तनिष्क बताते हैं- 'आप यकीन नहीं करोगे, जब सैयारा बन रहा था, तब मैं बहुत ज्यादा डिप्रेशन में था। मैं रोज दवाई ले रहा हूं। सो नहीं पा रहा था। सफलता तो थी, लेकिन फिर भी एक खालीपन था जिसे मैं समझ नहीं सका। मेरे पास घर था, करियर था, सब कुछ था लेकिन उदासी भी थी। अर्सलान निजामी फैमिली इशू से गुजर रहे थे। फहीम अब्दुल्ला का एग्जाम था। मोहित सर और हम सब खुलकर बात करते थे। हमने अपने अंदर का भारीपन एक-दूसरे के साथ शेयर किया। सैयारा में शामिल हर कलाकार ने इसमें अपना दर्द डाला। मुझे लगता है यही वजह है कि इसका असर इतना गहरा है।' इंटरव्यू में जब आगे तनिष्क से पूछा गया कि आपने तो इतने सारे अच्छे गाने बनाए हैं लेकिन इस बार ऐसा क्या हुआ, जो ऑडियंस को इतना पसंद आया? इस पर वो कहते हैं- 'हमने कभी भी हिट फिल्म बनाने का लक्ष्य नहीं रखा था। हम बस यही चाहते थे कि फिल्म रियल, सिंपल और ईमानदार हो। कोई ड्रामा नहीं, कोई बनावट नहीं। जब यह बना तो मैंने इसे लूप पर सुना। पहली बार, मेरे अपने गाने ने मुझे ठीक करना शुरू किया। तभी मुझे एहसास हुआ कि यह दूसरों को भी ठीक करेगा। बता दें कि 'सैयारा के टाइटल ट्रैक ग्लोबल म्यूजिक वर्ल्ड में धूम मचा रखी है। फिल्म का ये गाना अब कई इंटरनेशनल चार्ट्स में टॉप पर पहुंच गया है। बिलबोर्ड ग्लोबल 200 और स्पॉटिफाई की टॉप ग्लोबल सॉन्ग के लिस्ट में नंबर 1 बन चुका है।

गली बॉय और गहराइयां से पहचान बनाने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी अब धड़क 2 में नजर आ रहे हैं उन्होंने सीए से एक्टिंग तक के सफर, आउटसाइडर होने की चुनौतियों और नई फिल्म के अनुभवों पर खुलकर बात की...

करण जौहर के साथ गहराइयां 2 भी करना चाहते हैं सिद्धांत चतुर्वेदी

बतौर आउटसाइडर इंडस्ट्री में अपने सफर को कैसे परिभाषित करेंगे?

मेरा सफर कभी भी पूरी तरह सहज नहीं रहा। वैसे भी, जिंदगी का रास्ता अक्सर ऊबड़-खाबड़ ही होता है। जब मैंने चार्टर्ड अकाउंटेंसी की दुनिया छोड़कर अभिनय का फैसला किया, तो यह मेरे लिए एक बहुत बड़ी आंतरिक लड़ाई थी। एक तरफ सुरक्षित करियर और परिवार का सपोर्ट था, जबकि दूसरी तरफ अभिनय की दुनिया में कदम रखते ही अनिश्चितता का साया मंडरा रहा था। कोई वादा नहीं, कोई गारंटी नहीं, न लॉन्चिंग की सुविधा। उस वक्त मुझे बस खुद पर यकीन करना था। मैंने खुद से कहा, अगर मैं डूबा भी तो खुद की वजह से डूबूंगा लेकिन कोशिश में कमी नहीं रखूंगा। यह मेरे भीतर की गहन जंग थी, जिसमें खुद को लगातार समझाना पड़ता था कि मेरे सपने टूटने नहीं चाहिए।

आपको क्या चीज प्रेरणा देती है कि आप एक्टिंग के लिए ही बने हैं?

मुझे मुझे लगता है आत्मविश्वास दो तरीकों से आता है, भरोसा और अनुभव। भरोसा तब मजबूत होता है जब आपमें यह विश्वास हो कि मैं कर सकता हूं और अनुभव के साथ यह और भी पक्का होता जाता है। बचपन में जब मैं शादियों, पारिवारिक कार्यक्रमों या गांव के आयोजनों में डीजे पर नाचता था, तो लोग बहुत खुश होते थे। उन दिनों मुझे फिल्मी डायलॉग बोलने का भी बहुत शौक था। धीरे-धीरे मुझमें भरोसा पैदा हुआ कि मैं एक्टिंग कर सकता हूं।

सेंसर बोर्ड के कट्स से फिल्म पर क्या असर पड़ा?

नहीं, मुझे नहीं लगता कि कोई खास फर्क पड़ा है। फिल्म देखकर हमें नहीं लगा कि कुछ छूटा है जो मामूली बदलाव हुए वे इतने छोटे है कि दर्शकों को पता भी नहीं चलेगा। सेंसर बोर्ड ने भी काफी समझदारी दिखाई और एक नपा-तुला रास्ता निकाला है। इमोशन और सीन्स की गहराई वैसी की वैसी बनी हुई है।

किस फिल्म के सीक्वल में काम करना चाहेंगे?

सीक्वल करने में मुझे कोई दिक्कत नहीं है। अगर गहराइयां 2 बनती है, तो मैं जरूर करना चाहूंगा। उस फिल्म में जो इमोशनल गहराई थी, वह मुझे अब भी बहुत ज्यादा अपील करती है। मुझे लगता है कि आज के दौर में वैसी फिल्में ही दर्शकों के दिल को छूती हैं। आम लव स्टोरीज का दौर अब थोड़ा पुराना हो गया है।

इतने बड़े बैनर से जुड़ना आपके लिए कैसा रहा?

धर्मा प्रोडक्शंस के साथ यह मेरा दूसरा प्रोजेक्ट है। इससे पहले मैंने गहराइयां में करण जौहर के साथ काम किया था और वहां हमारी अच्छी ट्यूनिंग बनी। करण सर ने खुद मुझे कॉल करके इस फिल्म का नरेशन सुनने के लिए बुलाया। शाजिया (डायरेक्टर) और राहुल ने कहानी सुनाई और मुझे तुरंत लगा कि यह स्क्रिप्ट दमदार है। उस समय नाम धड़क 2 नहीं था। यह एक स्वतंत्र कहानी की तरह थी। मुझे यह किसी प्रेशर की तरह नहीं लगी।

संक्षिप्त समाचार

सिख कारोबारी सुखी चहल की अमेरिका में रहस्यमय परिस्थितियों में मौत, पुलिस जांच में जुटी

वाशिंगटन, एजेंसी। खालिस्तानियों का पुरजोर विरोध करने वाले सिख सुखी चहल की अमेरिका के कैलिफोर्निया में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। सुखी चहल अमेरिका में ही रहकर कारोबार करते थे। वह अकसर खालिस्तान के विरोध में बयान भी दिया करते थे। जानकारों का कहना है कि उन्होंने अमेरिका में खालिस्तानियों की नाक में दम कर रखा था। सुखी के एक करीबी दोस्त जसपाल सिंह ने कहा कि शनिवार को उन्हें एक परिचित व्यक्ति ने डिनर पर बुलाया था। खाना खाने के बाद ही उनकी तबीयत खराब हो गई और मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने कहा कि पहले से सुखी को कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं थी। सुखी की अचानक मौत से कई सवाल भी उठ रहे हैं। विदेश में खालिस्तानियों की गतिविधियों के खिलाफ़ सुखी अकसर मोर्चा खोले रहते थे। वहीं वॉशिंगटन में खालिस्तानी संगठनों के जनमत संग्रह से पहले उनकी अचानक मौत ने राज और गहरे कर दिए हैं। 17 अगस्त का खालिस्तानी संगठन वॉशिंगटन डीसी में जनमत संग्रह करवाने वाले हैं। खालसा टुडे के संस्थापक और सीईओ सुखी चहल को अकसर खालिस्तानी धमकी देते रहते थे। इसके बाद भी वह निडर होकर खालिस्तानियों की आलोचना करते थे। सुखी के करीबी बूटा सिंह कलेर ने कहा कि उनकी मौत के बाद भारत का समर्थन करने वाले समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई है। कलेर ने कहा, पुलिस उनकी मौत की जांच कर रही है। ऑटोप्सी रिपोर्ट में सच सामने आ जाएगा। उन्होंने कहा, सुखी हमेशा ही भारतीयों को यही सलाह देते थे कि अमेरिका में रहना है तो यहां के कानून का पालन करना पड़ेगा। इसके अलावा अपराध से दूर रहना होगा। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने लिखा था, अमेरिका में कानून व्यवस्था बेहद कड़ी है। अगर आप कानून तोड़ते हैं तो आपका वीजा रद्द हो सकता है और आपको अमेरिका से वापस जाना पड़ सकता है।

फिलिस्तीन की आजादी तक इजरायल से जंग रहेगी, हमास का हथियार छोड़ने से इनकार

गाजा, एजेंसी। इजरायल और हमास के बीच चल रहे युद्ध में शांति के दरवाजे एक-एक करके बंद होते नजर आ रहे हैं। इजरायल की तरफ से 60 दिन के सीजफायर के दिए गए प्रस्ताव को हमास ने अस्वीकार कर दिया है। हमास की तरफ से कहा गया है कि जब तक वह स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना नहीं कर लेते, तब तक हथियार नहीं छोड़ेंगे। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक हमास ने बयान जारी करके कहा , वह सशस्त्र प्रतिरोध के अधिकार को तब तक नहीं छोड़ सकता जब तक कि यरूशलेम को अपनी राजधानी के रूप में एक स्वतंत्र, पूर्ण संप्रभु फिलिस्तीनी राज्यन बन जाए। हमास की तरफ से यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जबकि कतर, फ्रांस और मिस्त्र की मध्यस्थता में कुछ दिन पहले ही शांति प्रस्ताव को लेकर अप्रत्यक्ष बातचीत समाप्त हुई है। इसमें प्रस्ताव रखा गया था कि इस क्षेत्र में दो-राष्ट्र सिद्धांत को अपनाया जाएगा और हमास अपने हथियारों को फिलिस्तीनी प्राधिकरण को सौंप देगा। अब, जबकि हमास ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है, तो ऐसे में इसके भी ठंडे बस्ते में जाने की आशंका है। आपको बता दें इजरायली सरकार का शांति प्रस्ताव को लेकर सबसे बड़ी शर्त यही रही है कि हमास को हथियार डालने होंगे। वहीं दूसरी हो हमास लगातार इस बात पर अड़ा रहा है कि वह हथियार नहीं छोड़ेगा। दोनों पक्षों के बीच चल रही इस हां और न के बीच इजरायल लगातार गाजा में बम बरसा रहा है, जिससे अभी तक हजारों लोगों की जान जा चुकी है और लाखों की संख्या में लोग भुखमरी की और बढ़ गए हैं। गौरतलब है कि पिछले महीने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भविष्य में फिलिस्तीनी राज्य के विचार को भी खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर यह बना तो यह इजरायल को नष्ट करने वाले एक मंच की तरह होगा। इतना ही नहीं उन्होंने फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने वाले यूके और कनाडा समेत कई देशों की आलोचना भी की थी।

अमेरिका के न्यूयॉर्क में भूकंप के झटके

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के प्रमुख शहर न्यूयॉर्क में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप के इन झटकों की तीव्रता 3.0 रही। यूरोपीय भूकंपीय एजेंसी ने बताया कि भूकंप के झटके शनिवार रात करीब 10 बजे महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र मैनहट्टन शहर से 13 किलोमीटर दूर ग्रेटर न्यूयॉर्क इलाके में जमीन में 10 मीटर की गहराई में था। भूकंप में फिलहाल किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। इधर पाकिस्तान में रविवार देर रात भूकंप से धरती कांप उठी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.8 मापी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने बताया कि भूकंप भारतीय समयानुसार आधी रात को करीब 12:40 बजे आया। भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई पर था। इससे पहले शनिवार को भी खैबर पख्तूनख्वा, पंजाब और इस्लामाबाद सहित पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में 5.4 तीव्रता के भूकंप ने हलचल मचाई थी।

आपको गुमराह कर रहे मुनीर, पाकिस्तान में नहीं है तेल का भंडार, बलूच नेता ने ट्रंप को लिखा पत्र

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के साथ मिलकर तेल भंडार को विकसित करने के लिए उतावले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बलूच नेता ने पत्र लिखकर सच बताया है। बलूच नेता मीर यर बलूच ने ट्रंप से कहा है कि जनरल आसिम मुनीर ने आपको पाकिस्तान में तेल भंडार को लेकर गुमराह किया है। पाकिस्तान में कोई भी तेल या खनिज भंडार नहीं है। यह सब बलूचिस्तान में हैं।

पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ समझौते का एलान किया था। ट्रंप ने कहा था कि वे दक्षिण एशियाई देश के तेल भंडार को विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। हमने अभी-अभी पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत पाकिस्तान और अमेरिका अपने विशाल तेल भंडार को विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। हम उस तेल कंपनी का चयन करने की प्रक्रिया में हैं जो इस साझेदारी का नेतृत्व करेगी। इससे पहले पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने ट्रंप के साथ लंच किया था और अपने देश में तेल भंडार होने की जानकारी दी थी।

इस पर बलूच नेता मीर यार बलूच ने ट्रंप को पत्र लिखकर चेताया है। उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि इस क्षेत्र में विशाल तेल और खनिज के भंडार हैं। लेकिन पूरे सम्मान के साथ बताना चाहते हैं कि पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व जनरल आसिम मुनीर ने आपको पाकिस्तान के भूगोल और स्वामित्व के बारे में गुमराह किया है। उन्होंने कहा कि तेल, प्राकृतिक गैस, तांबा, लिथियम, यूरेनियम और दुर्लभ खनिज भंडार पाकिस्तान में नहीं हैं। बल्कि यह बलूचिस्तान में हैं। जो अलग संप्रभु राष्ट्र और पाकिस्तान के कब्जे में है। ये संसाधन पाकिस्तान के हैं, यह दावा पूरी तरह झूठ है। पाकिस्तान ने राजनीतिक और वित्तीय लाभ के लिए बलूचिस्तान की संपत्ति का दुरुपयोग करने का प्रयास किया है।

उन्होंने पत्र में लिखा कि बलूचिस्तान बिकाऊ नहीं है। हम बलूच लोगों की स्पष्ट सहमति के बिना पाकिस्तान, चीन या किसी अन्य विदेशी शक्ति को अपनी भूमि या उसके संसाधनों का दोहन करने की अनुमति नहीं देंगे। हमारी संप्रभुता पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता और उचित स्वामित्व और स्वतंत्रता के लिए हमारा संघर्ष गरिमा और दृढ़ता के साथ जारी है। हम अमेरिका सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील करते हैं कि वे इन सच्चाइयों को स्वीकार करें और बलूच लोगों की स्वतंत्रता और अपनी मातृभूमि तथा प्राकृतिक संपदा पर नियंत्रण की वैध आकांक्षाओं का समर्थन करें।

आपको बता दें मीर यार बलोच की तरफ से ट्रंप के नाम यह खत ऐसे समय में सामने आया है, जब ट्रंप ने भारत पर दवाब बनाने की रणनीति के चलते पाकिस्तान के साथ तेल को लेकर व्यापारिक समझौता किया है। ट्रंप का कहना है कि वह पाकिस्तान के साथ मिलकर उसके क्षेत्र में तेल की खोज करेंगे। दोनों देशों की खोज का मुख्य क्षेत्र बलूचिस्तान वाला जमीनी हिस्सा और समुद्री सीमा में ही होगा। ऐसे में बलूच नेताओं की चिंता जायज है। बलूच नेताओं की चेतावनी को हल्के में इसलिए भी नहीं लिया जा सकता क्योंकि इस क्षेत्र में चीन की मौजूदगी का वह बहुत लंबे समय से मुकाबला कर रहे हैं। इस मुकाबले में चीन और पाकिस्तान दोनों के काफी संसाधन खर्च हुए हैं और लोगों की जान गई है।

खैबर पख्तूनख्वा में मोर्टार के गोले को गेंद समझ खेल रहे थे बच्चे, फटने से 5 की मौत, 12 घायल

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मरवात जिले में मोर्टार के गोले के फटने से 5 बच्चों की मौत हो गई। 12 घायल हो गए। बच्चों को यह गोला खेत में मिला था। इसे गेंद समझकर वह सोरबंद स्थित अपने गांव ले आए और खेलने लगे, तभी गोला फट गया। बन्नू क्षेत्र के पुलिस प्रवक्ता आमिर खान ने शनिवार को बताया कि घायलों को बन्नू के खलीफा गुल नवाज अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। बन्नू क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी (आरपीओ) सज्जाद खान ने कहा कि प्रभावित परिवारों को पूरी सहायता मिलेगी और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी। आरपीओ ने कहा, बम निरोधक दस्ता विस्फोट स्थल पर पहुंचा था। फोरेंसिक साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। दरअसल, यह घटना पाकिस्तान में बिना फटे गोला-बारूद के लगातार बढ़ते खतरे को उजागर करती है। स्थानीय अखबार डॉन के अनुसार अक्टूबर 2023 में बलूचिस्तान के वाध में एक ग्रेनेड विस्फोट में बच्चे की मौत हुई थी। आठ घायल हुए थे। एक महीने पहले सिंध के काशमोर में एक घर में रॉकेट लॉन्चर के फटने से चार बच्चों समेत नौ लोगों की मौत हो गई थी। अधिकारी उन क्षेत्रों में सावधानी बरतने का आग्रह कर रहे।

यूक्रेन के परमाणु केंद्र पर हमला, अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी का दावा- धमाके के बाद धुंआ उठता देखा

कीव, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने शनिवार को दावा किया है कि यूक्रेन के एक परमाणु केंद्र पर हमला हुआ है। एजेंसी ने कहा कि उन्होंने यूक्रेन के जापोरिजिया परमाणु केंद्र के नजदीक धमाके की आवाज सुनी और परमाणु केंद्र के एक हिस्से से धुंआ उठता देखा। अभी धमाके में हुए नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने दावा किया यूक्रेन के जापोरिजिया परमाणु केंद्र पर तैनात उनकी एक टीम ने शनिवार को परमाणु केंद्र के नजदीक धमाकों की आवाज सुनी और साथ ही नजदीकी ठिकाने से धुआं उठता देखा।

हमास कमांडर सलाह अल-दीन जारा को आईडीएफ ने मार गिराया, गाजा सुरंग में छिपे आतंकियों ने किया आत्मसमर्पण

तेल अवीव, एजेंसी। इस्त्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने दावा किया है कि उसने हमास कमांडर सलाह अल-दीन जारा को मार गिराया है। वह हमास आतंकवादी संगठन में अल-फुरकान बटालियन का उप-कमांडर था। आईडीएफ का कहना है कि वह 24 जुलाई, 2025 को मारा गया। इसके अलावा, उत्तरी गाजा पट्टी के बेत हनून इलाके में सुरंग में छिपे आतंकवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। आईडीएफ के अनुसार, जारा पहले बटालियन की लड़ाकू सहायता कंपनी का कमांडर था। उसने गाजा पट्टी में इस्त्राइली नागरिकों और आईडीएफ बलों पर कई हमले करवाए थे।

100-200 नहीं, 1178 कैदियों को मिली रिहाई, राष्ट्रपति सुबियांतो की योजना के तहत लिया फैसला

जकारता, एजेंसी। इंडोनेशिया के नए राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो ने देश में राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से एक बड़ा कदम उठाया है। अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के पहले दो महीनों में ही उन्होंने सैकड़ों कैदियों को माफी देकर रिहा करने की प्रक्रिया शुरू की है। इस फैसले में राजनीतिक अपराधों में सजा काट रहे कई लोगों को भी रिहा किया गया है। इसे राष्ट्रपति की 'यूनिटी प्लान' यानी राष्ट्रीय एकता योजना का पहला चरण माना जा रहा है।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति सुबियांतो द्वारा हस्ताक्षरित राष्ट्रपतीय डिक्री के तहत 1178 कैदियों को शुक्रवार को रिहा किया गया। संसद के उपाध्यक्ष सफमी डास्को अहमद और कानून मंत्री सुप्रातमान एंडी आगतास ने इसकी घोषणा की। यह पहला चरण है, जिसमें कुल 44,000 कैदियों को रिहा किए जाने की योजना है। प्राथमिकता राजनीतिक कैदियों, बीमार, बुजुर्ग, नाबालिग और धार्मिक भावनाओं को लेकर सजा पाए लोगों को दी जा रही है। पीडीआई-पी नेता हास्तो क्रिस्तियान्तो को मिली रिहाई इस रिहाई सूची में इंडोनेशियाई डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ स्ट्रगल के महासचिव हास्तो क्रिस्तियान्तो भी शामिल हैं, जो देश की इकलौती

औपचारिक विपक्षी पार्टी के नेता हैं। वे भ्रष्टाचार के एक मामले में साढ़े तीन साल की सजा काट रहे थे। फरवरी से दक्षिण जकार्ता की भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी की हिरासत में थे। रिहाई के बाद उन्होंने समर्थकों से कहा कि हमें इस घटना से सीख लेनी चाहिए।

पूर्व मंत्री टॉम लेम्बॉन्ग पर भी केस वापस पूर्व व्यापार मंत्री टॉम लेम्बॉन्ग, जो पहले राष्ट्रपति जोको विडोडो के करीबी थे और बाद में प्रतिद्वंद्वी अनिस बसवेदान का समर्थन करने लगे, उनके खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई भी वापस ले ली गई है। उन पर 2024 के चुनाव के दौरान चीनी आयात लाइसेंस में गड़बड़ी का आरोप था। पश्चिम पापुआ के अलगाववादी कार्यकर्ता भी रिहा इस रिहाई की सूची में पश्चिम पापुआ के छह स्वतंत्रता समर्थक कार्यकर्ता भी शामिल हैं, जिन्हें देशद्रोह के आरोप में कैद किया गया था। सरकार का कहना है कि यह कदम राष्ट्रीय एकता को मज़बूत करने की दिशा में है और ऐसे लोगों को रिहा किया जा रहा है, जिन्होंने किसी न किसी रूप में देश की सेवा की है। दूसरी सूची में और 1668 कैदी होंगे शामिल कानून मंत्री आगतास ने बताया कि जल्द ही दूसरी सूची भी संसद में पेश की जाएगी, जिसमें 1668 और कैदियों के नाम होंगे। इस पूरे अभियान को राष्ट्रपति सुबियांतो की नई और समावेशी नीति के रूप में देखा जा रहा है, जिसका मकसद देश में राजनीतिक और सामाजिक ध्रुवीकरण को खत्म करना है।

लंदन में आमने-सामने प्रवासियों के समर्थक और विरोधी, होटल के बाहर किया गया जोरदार प्रदर्शन

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में शनिवार को प्रवासियों को लेकर दो विरोधी गुटों के बीच टकराव हुआ। ये प्रदर्शन एक होटल के बाहर हुए, जहां शरणार्थियों को ठहराया गया है। एक तरफ कई सौ लोग यूनियन जैक (ब्रिटेन का झंडा) लहराते हुए थिसल सिटी बार्बिकन होटल के बाहर इकट्ठा हुए। उन्होंने होटल में रह रहे प्रवासियों के खिलाफ नारे लगाए जैसे- ब्रिटेन भर गया है और गंदे लोग। उनका कहना था कि यह होटल प्रवासियों के लिए बंद कर दिया जाना चाहिए। दूसरी ओर, एक बड़ी संख्या में लोग शरणार्थियों का स्वागत है जैसे नारे लगाते हुए इनका विरोध कर रहे थे। पुलिस ने दोनों गुटों को अलग-अलग रखने के लिए मोर्चा संभाला। होटल के अंदर मौजूद लोग इन विरोध प्रदर्शनों को खिड़कियों से देख रहे थे। ऐसे ही प्रदर्शन हाल ही में लंदन के बाहरी इलाके एपिंग में भी हुए, जहां एक प्रवासी पर यौन शोषण का आरोप लगा था। इसके अलावा इंग्लैंड के कई अन्य शहरों में भी प्रवासी-विरोधी प्रदर्शन हुए हैं। प्रदर्शनकारी कह रहे हैं कि वे प्रवासियों

से सुरक्षा को खतरा महसूस कर रहे हैं, खासकर वे प्रवासी जो हाल ही में छोटी नावों से इंग्लिश चैनल पार कर ब्रिटेन पहुंचे हैं। इनमें से ज्यादातर युवा पुरुष हैं। इन प्रदर्शनों में कुछ स्थानीय लोग शामिल हुए, लेकिन कई प्रदर्शन दक्षिणपंथी (फार-राइट) गुटों की तरफ से आयोजित या समर्थित भी थे। एक साल पहले, गर्मियों के मौसम में कई दिनों तक इंग्लैंड और नॉर्दर्न आयरलैंड में प्रवासी विरोधी दंगे हुए थे। तब भीड़ ने प्रवासियों को ठहराने वाले होटलों, मस्जिदों, पुलिस स्टेशनों और एक पुस्तकालय पर हमला किया था। कुछ हमलावरों ने गैर-श्वेत लोगों को भी निशाना बनाया था, और पुलिस पर ईंटें और आतिशबाजियां फेंकी थीं। इस हिंसा की शुरुआत साउथपोर्ट शहर में एक डांस क्लास के दौरान हुई थी, जहां तीन लड़कियों की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। सोशल मीडिया पर अफवाह फैली कि हमलावर कोई नया प्रवासी है, जबकि असल में हत्यारा ऐक्सेल रूडकुबाना एक ब्रिटिश जन्मा 17 साल का युवक था। वहीं इसे लेकर तमाम विशेषज्ञ और सामाजिक संगठन कह रहे हैं।

कबाइली इलाकों में सैन्य अभियान के खिलाफ इमरान खान, अपनी पार्टी के सीएम से कहा- आप इसकी मंजूरी न दें

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान ने खैबर पख्तूनख्वा के अपनी पार्टी के सीएम से कहा है कि वे अपने राज्य में सेना के अभियान को मंजूरी न दें। इमरान खान ने मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर को स्पष्ट संदेश में कहा है कि संघीय सरकार को खैबर पख्तूख्वा और उसके कबाइली इलाकों में एक और सैन्य अभियान शुरू करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इमरान का यह बयान ऐसे समय में आया है जब सुरक्षा बलों ने तोपखाने और गनशिप हेलीकॉप्टरों के साथ इस हफ्ते की शुरुआत में बाजौर जिले की लोवी मामुंड तहसील में ऑपरेशन सरबकाफ शुरू किया था। सेना ने इस क्षेत्र में तीन दिनों का कर्फ्यू लगा दिया है, जिस पर पीटीआई नेतृत्व ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक संदेश में इमरान खान ने कहा, मैं अली अमीन को स्पष्ट संदेश देता हूं कि संघ को खैबर पख्तूनख्वा और कबाइली इलाकों में एक और सैन्य अभियान चलाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। सेना और जनता के बीच टकराव सैन्य संस्था को नष्ट कर देता है। अभियान किसी भी समस्या का समाधान नहीं हैं। मुद्दों को वहां की व्यवस्था के अनुसार बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि इमरान खान इस अकाउंट को खुद संचालित नहीं करते। इमरान खान के सोशल मीडिया पोस्ट में ये भी कहा गया है कि अफगानिस्तान हमारा मुस्लिम पड़ोसी देश है। उनके साथ भी संबंध बेहतर करने की कोशिश होनी चाहिए और बातचीत के जरिए मुद्दों को सुलझाया जाना चाहिए। इमरान खान के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने अपने निजी एक्स अकाउंट पर साझा पोस्ट में कहा कि उन्होंने इमरान खान की बात को ध्यान में रखते हुए प्रांत में कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए पहले ही कई जिरगाओं की बैठक कराई थी। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हफ्ते की शुरुआत में गंडापुर ने उग्रवादियों के खिलाफ सैन्य अभियान समर्थन किया था।

हमारी परमाणु पनडुब्बियों की संख्या बहुत ज्यादा, अब रूसी सांसद की ट्रंप को चुनौती

मॉस्को, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करने के आदेश पर रूस की ओर से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। रूस की संसद डूमा के एक वरिष्ठ सदस्य विक्टर वोडोलात्स्की ने कहा है कि विश्व महासागरों में रूसी परमाणु पनडुब्बियों की संख्या अमेरिका की तुलना में कहीं अधिक है, और अमेरिकी पनडुब्बियां पहले से ही रूसी कंट्रोल रूम के रडार में हैं।

वोडोलात्स्की ने रूस की सरकारी समाचार एजेंसी टीएएसएस से कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिन पनडुब्बियों को उपयुक्त क्षेत्रों की ओर भेजने की बात कही है, वे पहले से ही हमारे नियंत्रण के अंतर्गत हैं। इसलिए रूसी संघ की ओर से कोई विशेष प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता नहीं है।ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा था कि उन्होंने दो अमेरिकी परमाणु पनडुब्बियों को उन क्षेत्रों की ओर भेजने का आदेश दिया है, जहां उत्तेजक गतिविधियांबढ़ रही हैं। ट्रंप की यह प्रतिक्रिया रूस के पूर्व राष्ट्रपति और वर्तमान में सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव के कथित भड़काऊ बयानों के बाद आई।

वोडोलात्स्की ने चुनौती भरे अंदाज में कहा, अमेरिका की दो पनडुब्बियों को आने दीजिए, वे पहले से ही हमारे निशाने पर हैं। अब जरूरत है कि रूस और अमेरिका के बीच एक मौलिक समझौता हो, जिससे दुनिया भर में तीसरे विश्व युद्ध को लेकर जारी अटकलें समाप्त हों।इस बीच, रशिया इन ग्लोबल अफेयर्स पत्रिका के प्रधान संपादक फ्योदोर लुक्यानोव ने ट्रंप के बयान को फिलहाल गंभीरता से न लेने की सलाह दी है। उन्होंने

कहा, ट्रंप अपने चैनल पर अपनी भावनाओं के अनुसार प्रतिक्रिया देते हैं। अमेरिकी सशस्त्र बल और नौसेना ने शायद यह बयान आश्चर्य से पढ़ा होगा। यदि यह वाकयुद्ध यूं ही चलता रहा, तो ट्रंप को वास्तव में कुछ कदम उठाने पड़ सकते हैं, लेकिन अभी यह केवल शब्दों तक सीमित है। ट्रंप के बयान के बाद रूसी शेयर बाजार पर भी असर देखने को मिला। मॉस्को एक्सचेंज इंडेक्स शुक्रवार शाम 8:01 बजे (भारतीय समय अनुसार 10:31 बजे रात) तक 2,709.26 अंक (0.99प्रतिशत) गिर गया। इस घटनाक्रम के बीच, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के हालिया बयान का स्वागत किया है, जिसमें उन्होंने अमेरिका और रूस के बीच प्रत्यक्ष सैन्य टकराव से बचने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया था।

संक्षिप्त खबरें

हिमालया का नया फेसवाश

नई दिल्ली। हिमालया वेलनेस ने पिंपल केयर के नियमों को नए सिरे से परिभाषित करते हुए प्यूरीफाइंग नीम फेस वॉश को अब नए रूप में पेश किया है। हिमालया वेलनेस के कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिवीजन में बिजनेस डायरेक्टर राजेश कृष्णामूर्ति ने कहा कि यह फेसवाश पिंपल्स की समस्या से निजात दिलाने में सक्षम है। यह फेसवाश पांच पावरफुल पार्ट्स ऑफ द नीम प्लांट परिपक्व पत्तियों, कोमल पत्तियों, फूल, फल और तने से युक्त है नया फॉर्मूला सफाई से आगे बढ़कर पिंपल्स के चक्र को तोड़ने और उन्हें दोबारा होने से रोकने में मदद करता है। हिमालया वेलनेस के मार्केटिंग डायरेक्टर (ब्यूटी एंड पर्सनल केयर) रागिनी हरिहरन ने कहा, 'नया फेस वॉश पांचवे दिन से ही पिंपल्स कम करने लगता है।

मिंत्रा पर खुला राखी स्टोर

नई दिल्ली। मिंत्रा ने रक्षा बंधन के अवसर पर अपना समर्पित राखी स्टोर लांच किया है। इस स्टोर पर 2,500 से ज्यादा ब्रांड्स की ओर से 3 लाख से अधिक स्टाइल में एथनिक वियर, फुटिवियर, ब्यूटी एवं पर्सनल केयर, गुरमे हैंपर, एक्सेसरीज़ और को-ब्रांडेड गिफ्ट हैंपर तथा 30,000 से अधिक अद्वितीय स्टाइल की राखी का विशाल कलेक्शन मौजूद है। यहां पर 'राखी अंडर ₹999' का एक विशेष सेक्शन भी है। मिंत्रा पर 15 से अधिक ब्रांड्स ने पहली बार को-ब्रांडेड राखी गिफ्ट बॉक्स लॉन्च किए हैं, जिनमें से 10 केवल मिंत्रा पर ही उपलब्ध हैं। इन को-ब्रांडेड हैम्पर्स में मान्यवर, वस्त्रमय, एक्सेसराइज़ लंदन, इशिन, बीबा, टॉमी हिलफिगर, रॉफ्रूट और सुता की ओर से कलेक्शन शामिल हैं। इसमें अंडमान 3 सल्वाटोर फेरागामो जैसे प्रीमियम गिफ्ट बॉक्स शामिल हैं।

डायसन का नया कैम्पेन

नई दिल्ली। ग्लोबल टेक्नोलॉजी कंपनी डायसन ने अपना 'द डिफरेंस इज़ डायसन' कैंपेन शुरू किया। इस कैंपेन में डायसन ब्यूटी की ब्रांड एंबेसडर दीपिका पादुकोण हैं। डायसन के इस कैंपेन में हर तरह के हेयर टाइप वाले लोगों को डायसन के प्रोडक्ट्स द्वारा बिना किसी हीट डैमेज के बेहतरीन स्टाइलिंग का अनुभव लेने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। इस कैंपेन के बारे में डायसन इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, अंकित जैन ने कहा, 'हमारा कैंपेन 'द डिफरेंस इज़ डायसन' विभिन्न व्यक्तित्वों को आमंत्रित करके उन्हें निखारता है। यह इनोवेशन के लिए डायसन की प्रतिबद्धता पर जोर देता है, तथा हेयर स्टाइलिंग रेंज ग्राहकों के करीब लेकर आता है, ताकि उन्हें हर हेयर टाइप के लिए बिना किसी हीट डैमेज के बेहतरीन स्टाइल मिल सके। हमें खुशी है कि इस कैंपेन को दीपिका पादुकोण जीवंत कर रही हैं।

JSW सीमेंट का इश्यू 7 को

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड ने अपने इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) के लिए हर शेयर की कीमत ₹139 से ₹147 के बीच तय की है, जिसकी फेस वैल्यू ₹10 है। ये आईपीओ 7 अगस्त को खुलकर 11 अगस्त को बंद होगा। निवेशक कम से कम 102 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, और इसके बाद 102 के मल्टीपल में बोली लगा सकते हैं। में ₹1600 करोड़ तक के नए शेयर और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा ₹2000 करोड़ तक का ऑफर फॉर सेल शामिल है। नए शेयरों से मिले पैसों में से ₹800 करोड़ तक का इस्तेमाल राजस्थान के नागौर में नई सीमेंट फैक्ट्री लगाने के लिए होगा। ₹520 करोड़ तक का इस्तेमाल कंपनी के कुछ कर्ज चुकाने या कम करने के लिए होगा। बाकी राशि सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए इस्तेमाल होगी। जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड जेएसडब्ल्यू ग्रुप का हिस्सा है।

केप्री का बढ़िया वित्तीय प्रदर्शन

मुंबई। जमा स्वीकार नहीं करने वाली और प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण एनबीएफसी केप्री ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड के निदेशक मंडल ने 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के अनऑडिटेड वित्तीय परिणामोंकी घोषणा कर दी है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में कंपनी का एकीकृत एयूएम 24,750 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। इस दौरान एनबीएफसी का एकीकृत असेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) सालाना आधार पर 42 प्रतिशत के उछाल के साथ 24,754 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसमें रिटेल एयूएम की ग्रोथ सबसे ज्यादा दर्ज की गई। गोल्ड लोन में सालाना आधार पर 69 प्रतिशत और हाउसिंग लोन में 32 प्रतिशत की ग्रोथ देखने को मिली। को-लेंडिंग एयूएम सालाना आधार पर 64 प्रतिशत बढ़कर 4,681 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस तरह एकीकृत एयूएम में को-लेंडिंग एयूएम की हिस्सेदारी बढ़कर 18.9 प्रतिशत हो गई।

पैन से जुड़ी कई समस्याओं का आसान समाधान देगी माइंडट्री

■ पैन 2.0 परियोजना के लिए किया गया इस कंपनी का चयन ■ इससे पैन में अपडेट और लिंक कराना हो जाएगा आसान

नई दिल्ली (भाषा)। आयकर विभाग ने पैन 2.0 परियोजना को लागू करने के लिए आईटी कंपनी एलटीआईमाइंडट्री लिमिटेड का चयन किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पैन 2.0 परियोजना पैन और टैन से संबंधित मुद्दों का व्यापक रूप से समाधान करेगी। इसमें आवंटन, अपडेट/सुधार, आधार-पैन को जोड़ना, फिर से जारी करने के अनुरोध, ऑनलाइन पैन सत्यापन आदि शामिल हैं। इसका मकसद जनता के लिए सेवा की गुणवत्ता बढाना और शिकायत निवारण प्रणाली में सुधार के लिए पैन/टैन प्रक्रियाओं को सरल बनाना है।

पैन 2.0 परियोजना सफल बोलीदाता मेसर्स एलटीआई माइंडट्री लिमिटेड को दी गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि परियोजना के 18 महीनों में लागू होने की उम्मीद है। एलटीआईमाइंडट्री परियोजना के डिजाइन, विकास, कार्यान्वयन, संचालन और रखरखाव के लिए प्रबंधित सेवा प्रदाता (एमएसपी) के रूप में काम करेगी। मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने 25 नवंबर, 2024 को आयकर विभाग की 1,435 करोड़ रुपये की पैन 2.0 परियोजना को मंजूरी दी थी। मौजूदा स्थायी खाता संख्या (पैन) कार्ड धारकों को उन्नत पैन 2.0 प्रणाली के लिए आवेदन करने की जरूरत नहीं है।

इस समय पैन से संबंधित सेवाएं तीन अलग-अलग मंचों - ई-फाइलिंग पोर्टल, यूटीआईआईटीएसएल पोर्टल और प्रोटीन ई-गवर्नेंस पोर्टल पर उपलब्ध हैं। पैन 2.0 के लागू होने के साथ ये सभी सेवाएं एक एकीकृत पोर्टल से जुड़ जाएंगी।

पैन 2.0 परियोजना 81.24 करोड़ से अधिक पैन और 73 लाख से अधिक टैन के मौजूदा डेटाबेस के साथ करदाताओं की आवश्यकताओं को पूरा करती है। यह कई प्लेटफॉर्म/पोर्टल को जोड़ने और पैन/टैन धारकों को बेहतर सेवाएं देने पर ध्यान केंद्रित करती है।

बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में टेस्ला की चार्जिंग सुविधा शुरू

मुंबई (भाषा)। वैश्विक इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला ने वित्तीय राजधानी में एक अनुभव केंद्र के साथ भारतीय बाजार में प्रवेश करने के कुछ सप्ताह बाद सोमवार को देश में अपनी पहली चार्जिंग सुविधा शुरू की। बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में वन बीकेसी में स्थापित टेस्ला चार्जिंग स्टेशन में चार वी4 सुपरचार्जिंग स्टॉल (डीसी चार्जिंग) और चार डेस्टिनेशन चार्जिंग स्टॉल (एसी चार्जिंग) हैं।

सितंबर तिमाही तक लोअर परेल, ठाणे और नवी मुंबई में तीन और सुविधाएं स्थापित होंगी। टेस्ला ने 15 जुलाई को 59.89 लाख रुपये की शुरुआती कीमत वाले अपने मॉडल वाई के पेश करने के साथ भारत में अपनी बहुप्रतीक्षित शुरुआत की थी।

ट्रंप के शुल्क से 30% घट सकता है भारत का निर्यात

नई दिल्ली (भाषा)। शोध संस्थान जीटीआरआई ने सोमवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने के कारण चालू वित्त वर्ष में भारत का अमेरिका को निर्यात 30 प्रतिशत घटकर 60.6 अरब डॉलर रह सकता है।

निर्यात को बढ़ावा देने के लिए जीटीआरआई ने सरकार को ब्याज समानीकरण योजना को पुनर्जीवित करने, एक हेल्पडेस्क बनाने, व्यापार समझौतों का रणनीतिक उपयोग करने और नए निर्यातकों को शामिल करने का सुझाव दिया। अमेरिका द्वारा भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत शुल्क चीन के बाद सबसे अधिक है। अमेरिका ने चीन पर 30 प्रतिशत, वियतनाम पर 20 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 18 प्रतिशत, इंडोनेशिया, मलयेशिया और फिलीपींस पर 19 प्रतिशत, तथा जापान और दक्षिण कोरिया पर 15 प्रतिशत शुल्क लगाया है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार कुछ अपवादों को छोड़कर शुल्क से ज्यादातर क्षेत्रों में भारतीय निर्यात को नुकसान होगा। अमेरिका की नई शुल्क व्यवस्था में दवा, ऊर्जा उत्पाद, महत्वपूर्ण खनिज और सेमीकंडक्टर शामिल नहीं हैं।

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, 'भारतीय वस्तुओं पर दबाव है। इसके चलते अमेरिका को भारत का निर्यात लगभग 30 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 60.6 अरब अमेरिकी डॉलर रह सकता है।' वित्त वर्ष 2024-25 में भारत से अमेरिका को निर्यात 86.5 अरब अमेरिकी डॉलर था।

शुल्क के विरोध में श्रमिक संगठनों का 13 अगस्त को देशव्यापी प्रदर्शन

नई दिल्ली (भाषा)। दस केंद्रीय श्रमिक संगठनों और संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने 13 अगस्त को अमेरिकी शुल्क और भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते के विरोध में देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का सोमवार को आह्वान किया।

श्रम संगठनों और एसकेएम की तरफ से जारी एक संयुक्त बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने और रूस के साथ तेल व्यापार को लेकर जुर्माना लगाने की धमकियों की कड़ी निंदा की गई है। इसके अलावा भारत और ब्रिटेन के बीच हाल ही में हुए व्यापार समझौते के प्रावधानों में बदलाव कर उसे भारतीय हितों के अनुरूप बनाने की मांग भी की गई है।

मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू, निर्णय की घोषणा बुधवार को

मुंबई (भाषा)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सोमवार को द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा के लिए विचार-विमर्श शुरू किया। छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक तीन दिन चलेगी। बुधवार को द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा की जाएगी।

आरबीआई ने फरवरी में नीतिगत दरों को घटाना शुरू किया था और तब से तीन बार में अल्पकालिक उधारी दर (रेपो) में एक प्रतिशत की कमी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि रिजर्व बैंक इस बार यथास्थिति बनाए रख सकता है। सात अगस्त से भारतीय आयातों पर शुल्क लगाने की अमेरिका की घोषणा के बाद केंद्रीय बैंक और अधिक व्यापक आंकड़ों का इंतजार करना चाहेगा।

बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि मौद्रिक नीति जून में कम मुद्रास्फीति अमेरिकी शुल्क लगाने के हाल के घटनाक्रमों पर आधारित नहीं होगी। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि मुद्रास्फीति के आंकड़े इस साल की दूसरी छमाही में नरमी के संकेत दे रहे हैं।

रुपये में बड़ी गिरावट, 88 रुपये प्रति डालर के नजदीक पहुंचा

मुंबई (भाषा)। विदेशी कोषों की लगातार निकासी और व्यापार शुल्क से जुड़ी अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों की कारोबारी धारणा प्रभावित होने से सोमवार को अंतरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 52 पैसे लुढ़ककर 87.70 (अस्थायी) पर आ गया।

विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से लगाए गए उच्च सीमा शुल्कों ने वैश्विक व्यापार परिदृश्य में व्यापक व्यवधान को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी है। तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) की तरफ से डॉलर की मांग आने से कारोबार के दौरान रुपये में गिरावट आई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 87.21 पर खुला। बाद में रुपया 87.70 के निचले स्तर तक गया।

कारोबारी सत्र के अंत में रुपया 87.70 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से 52 पैसे की बड़ी गिरावट है। शुक्रवार को रुपया 47 पैसे बढ़कर 87.18 पर बंद हुआ था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक (जिंस एवं मुद्रा) अनुज चौधरी ने कहा, 'भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की पूंजी निकासी के बीच हमारा अनुमान है कि रुपया कमज़ोर रहेगा।

हालांकि, अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को लेकर चर्चा के बीच अमेरिकी डॉलर में कमजोरी से रुपये को निचले स्तरों पर समर्थन मिल सकता है।' उन्होंने कहा, 'व्यापारी अमेरिका से आने वाले कारखाना ऑर्डर के आंकड़ों से संकेत ले सकते है।

निर्यातकों को 'ट्रंप टैरिफ' के असर से बचाने की कवायद

नई दिल्ली (भाषा)। सरकार कपड़ा और रसायन जैसे क्षेत्रों के निर्यातकों को अमेरिकी शुल्क के प्रभाव से बचाने के लिए कुछ समर्थन उपायों पर काम कर रही है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सात अगस्त से अमेरिका में प्रवेश करने वाले भारतीय सामानों पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की घोषणा की है।

अधिकारी ने बताया कि वाणिज्य मंत्रालय ने इस्पात, खाद्य प्रसंस्करण, इंजीनियरिंग, समुद्री और कृषि सहित कई क्षेत्रों के निर्यातकों के साथ बैठकें की हैं ताकि उच्च शुल्क के कारण उन्हें होने वाली समस्याओं को समझा जा सके। खाद्य, समुद्री और वस्त्र सहित विभिन्न क्षेत्रों के भारतीय निर्यातकों ने 25 प्रतिशत शुल्क से निपटने के लिए सरकार से वित्तीय सहायता और किफायती ऋण का अनुरोध किया है।

निर्यातक सरकार से ब्याज सब्सिडी और निर्यातित उत्पादों पर शुल्कों एवं करों की छूट और राज्य एवं केंद्रीय करों व शुल्क की छूट जैसी योजनाओं के तहत बकाया राशि का समय पर भुगतान और अमेरिका के लिए सीधे निर्यात जैसे राजकोषीय प्रोत्साहनों का विस्तार करने का अनुरोध भी कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि मंत्रालय इन मांगों पर विचार कर रहा है। मंत्रालय निर्यातकों को समर्थन देने के लिए राज्यों के साथ भी बातचीत करेगा।

अमेरिका के उच्च शुल्क से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में वस्त्र/परिधान, रत्न एवं आभूषण, झींगा, चमड़ा एवं जूते, रसायन तथा विद्युत एवं यांत्रिक मशीनरी शामिल हैं।

एक निर्यातक ने कहा कि कपड़े की कुछ चीजें, रसायनों व झींगा जैसे क्षेत्र अधिक नुकसानदेह स्थिति में हैं। इन क्षेत्रों में भारत के प्रतिस्पर्धी देशों बांग्लादेश (20 प्रतिशत), वियतनाम (20 प्रतिशत) और थाईलैंड (19 प्रतिशत) पर शुल्क कम है। एक अन्य निर्यातक ने कहा कि अमेरिका भारतीय झींगे का एक प्रमुख निर्यात गंतव्य है।

उन्होंने कहा, 'अब निर्यातकों को ब्रिटेन, चीन और जापान जैसे नए बाजार तलाशने चाहिए।' अनिश्चितताओं के बावजूद अमेरिका में स्मार्टफोन निर्यात सहित इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं में अच्छी वृद्धि दर्ज की जा रही है।

अडाणी ने चीन की बीवाईडी से गठजोड़ की बात नकारी

नई दिल्ली (भाषा)। अडाणी समूह ने सोमवार को कहा कि वह बैटरी विनिर्माण और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी के लिए बीवाईडी जैसी चीन की कंपनियों के साथ गठजोड़ की संभावना नहीं तलाश रहा है।

अडाणी समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चीन की कंपनियों बीवाईडी और बीजिंग वीलियन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के साथ गठजोड़ की खबरें गलत हैं। इसमें कहा गया, " अदाणी समूह भारत में बैटरी विनिर्माण के लिए बीवाईडी के साथ किसी भी प्रकार के सहयोग की संभावना नहीं तलाश रहा है। हम बीजिंग वेलायन न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी के साथ भी किसी प्रकार की साझेदारी के लिए कोई चर्चा नहीं कर रहे हैं।'

निजी कंपनियों में प्रवर्तक हिस्सेदारी 8 साल के निचले स्तर पर

नई दिल्ली (भाषा)। देश में निजी स्वामित्व वाली सूचीबद्ध कंपनियों में प्रवर्तकों की हिस्सेदारी अप्रैल-जून तिमाही में गिरकर आठ वर्षों के निचले स्तर 40.58 प्रतिशत पर आ गई। इस दौरान प्रवर्तकों ने 54,732 करोड़ रुपये मूल्य की हिस्सेदारी बेची। प्राइम डेटाबेस ग्रुप की पहल प्राइमइन्फोबेस.कॉम की तरफ से जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। आंकड़ों के मुताबिक, जून तिमाही के अंत में सूचीबद्ध निजी कंपनियों में प्रवर्तक हिस्सेदारी 40.58 प्रतिशत थी जो मार्च तिमाही के 40.81 प्रतिशत से कम है।

इससे पहले इतनी कम प्रवर्तक हिस्सेदारी सितंबर, 2017 में 40.19 प्रतिशत रही थी। पिछले तीन वर्षों में इस हिस्सेदारी में गिरावट का सिलसिला लगातार जारी है। मार्च 2022 में 45.13 प्रतिशत पर रही प्रवर्तक हिस्सेदारी में अब तक 4.55 प्रतिशत की कुल गिरावट आ चुकी है। प्राइम डेटाबेस ग्रुप के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया ने कहा कि प्रवर्तकों की हिस्सेदारी बिक्री के कई कारण हो सकते हैं। बाजार की तेजी का लाभ उठाना, कर्ज चुकाने की रणनीति, पारिवारिक उत्तराधिकार की योजना, परोपकारी उद्देश्य, अन्य क्षेत्रों में निवेश, न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) मानकों को पूरा करना और व्यक्तिगत खर्चों को इसकी वजह बताया गया है। उन्होंने कहा कि हाल में आए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) कंपनियों में अपेक्षाकृत कम प्रवर्तक हिस्सेदारी और बाजार का संस्थागत स्वरूप भी इस गिरावट के कारणों में शामिल हैं। मार्च, 2025 तिमाही में प्रवर्तकों की हिस्सेदारी 40.81 प्रतिशत थी।

हालांकि हल्दिया का मानना है कि जब तक प्रवर्तकों के पास अब भी पर्याप्त हिस्सेदारी बनी रहती है, बिक्री भारी छूट पर नहीं होती और कंपनी के बुनियादी कारकों में कोई बड़ा बदलाव नहीं होता, तब तक चिंता की जरूरत नहीं है।

धातु व वाहन शेयरों में लिवाली से सेंसेक्स 419 अंक चढ़ा

मुंबई (भाषा)। वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच धातु, जिंस और वाहन शेयरों में तेजी के चलते सोमवार को बीएसई सेंसेक्स लगभग 419 अंक बढ़कर 81,000 के स्तर के ऊपर बंद हुआ जबकि निफ्टी में 157 अंकों की तेजी रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 418.81 अंक यानी 0.52 प्रतिशत बढ़कर 81,018.72 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 493.28 अंक चढ़कर 81,093.19 अंक तक पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 157.40 अंक यानी 0.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,722.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने 24,734.65 के उच्च स्तर को भी छुआ।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाटा स्टील, बीईएल, अदाणी पोर्ट्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में गिरावट रही।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'घरेलू शेयर बाजार में धातु और वाहन क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन के कारण तेजी आई। अमेरिकी डॉलर में कमजोर रुख के साथ वाहनों की मासिक बिक्री के अच्छे आंकड़ों और प्रमुख वाहन कंपनियों के उत्साहजनक तिमाही नतीजों ने इन क्षेत्रों में निवेशकों की रुचि को फिर जगाया।' नायर ने कहा, 'पहली तिमाही के नतीजों से संकेत मिलता है कि खपत-आधारित कंपनियों को बिक्री में तेजी से लाभ हो रहा है। अमेरिका में बढ़ती बेरोजगारी और रोजगार सृजन की धीमी गति से फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की संभावना बढ़ी है। हालांकि, अमेरिका की तरफ से लगाए गए उच्च शुल्क के कारण अब भी सावधानी बरतने की गुंजाइश है।'

एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई कंपोजिट सकारात्मक दायरे में बंद हुए जबकि जापान का निक्की सूचकांक गिरावट में रहा।

बोइंग कंपनी के लड़ाकू विमान बनाने वाले कर्मचारी हड़ताल पर

न्यूयार्क (एपी)। बोइंग के लड़ाकू विमान बनाने वाले कर्मचारी सोमवार को केंद्रीय मानक समय के अनुसार मध्य रात्रि से हड़ताल पर चले गए।

'इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ मशीनिस्ट्स एंड एयरोस्पेस वर्कर्स यूनियन' ने रविवार को बताया कि सेंट लुईस, सेंट चार्ल्स, मिसौरी और मैस्काउटा (इलिनोइस) स्थित बोइंग संयंत्रों में कार्यरत करीब 3,200 कर्मचारियों ने बोइंग के साथ संशोधित चार-वर्षीय श्रम समझौते को अस्वीकार करने के लिए मतदान किया। यह मतदान पिछले सप्ताह सदस्यों द्वारा संकटग्रस्त कंपनी के पूर्व प्रस्ताव को अस्वीकार करने के बाद हुआ, जिसमें चार वर्ष में 20 प्रतिशत वेतन वृद्धि का प्रस्ताव था।

यूनियन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'बोइंग के 200 उच्च-कुशल आईएएम यूनियन सदस्य आधी रात को हड़ताल पर चले गए।' मध्य पश्चिम क्षेत्र के लिए यूनियन के महासचिव सैम सिसिनेली ने एक बयान में कहा, 'आईएएम डिस्ट्रिक्ट 837 के सदस्य ऐसे विमान और रक्षा प्रणालियां बनाते हैं जो हमारे देश को सुरक्षित रखती हैं। वे ऐसे अनुबंध के हकदार हैं जो उनके परिवारों को सुरक्षित रखे और उनकी बेजोड़ विशेषज्ञता को मान्यता दे।'

यूनियन के नेताओं ने उस समय इस प्रस्ताव को मंजूरी देने की सिफारिश की थी और इसे एक 'ऐतिहासिक समझौता' करार दिया था। उन्होंने कहा था कि इस प्रस्ताव से चिकित्सकीय, पेंशन और कामकाजी घंटों से इतर काम करने के लाभों में सुधार होगा। इसके बाद एक सप्ताह के भीतर ही यूनियन के सदस्यों ने बोइंग के नवीनतम प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया।

बोइंग एयर डोमिनेंस के उपाध्यक्ष एवं महाप्रबंधक डैन गिलियन ने कहा, 'हमें निराशा है कि हमारे कर्मचारियों ने प्रस्ताव ठुकरा दिया। हम हड़ताल के लिए तैयार हैं और हमने अपनी आकस्मिक योजना को पूरी तरह से लागू कर दिया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हड़ताल न करने वाले हमारे कर्मचारी और ग्राहकों को कोई परेशानी न हो।' कंपनी अपने दो बोइंग 737 मैक्स विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद से संघर्ष कर रही है। 2018 में इंडोनेशिया में और 2019 में इथियोपिया में इसके विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने से 346 लोगों की जान गई थी। जून में एयर इंडिया द्वारा संचालित बोइंग ड्रीमलाइनर विमान क्रैश हो गया था, जिसमें कम से कम 260 लोग मारे गए थे।

तमिलनाडु में ₹32,000 करोड़ के निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर

तुतीकोरिन (भाषा)। तमिलनाडु में 32,553.85 करोड़ रुपये के निवेश के लिए 41 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। राज्य सरकार ने यह जानकारी दी।

'तमिलनाडु राइजिंग' निवेशक सम्मेलन में मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन और राज्य के उद्योग मंत्री टी. आर. बी राजा की उपस्थिति में इन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। इन समझौतों से 49,845 रोजगार सृजित होने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने इसके अलावा 1,230 करोड़ रुपये के कुल निवेश वाली चार प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। इनका लक्ष्य 3,100 नए रोजगार सृजित करना है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं संपादक प्रहलाद तेली के लिए मुद्रक अनिल राठी द्वारा अनिल प्रिन्टर्स एण्ड ऑफसेट, 5/एफ-2, न्यू हाउसिंग बोर्ड, शास्त्रीनगर, भीलवाड़ा 311001 (राज.) से मुद्रित एवं ऑफिस 957 वार्ड नंबर 24 धाकड़ मोहल्ला, शाहपुरा, भीलवाड़ा 311404 (राज.) से प्रकाशित। मो. नं. 9115108888, ई-मेल : kismatbhilwara@gmail.com (सभी प्रसंगों का न्याय क्षेत्र भीलवाड़ा होगा)